卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 203 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦1 मई 2026 ♦मूल्य दो रूपया

बुद्ध पूर्णिमा पर हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिद्वार (उद संवाददाता)। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर धर्म नगरी हरिद्वार में श्रद्धा और विश्वास का अद्भुत संगम देखने को मिला। शुक्रवार सुबह से ही हर की पौड़ी सहित विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश के कोने कोने और विदेशों से आए श्रद्धालुओं ने मोक्षदायिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर विश्व शांति व सुख समृद्धि की कामना की।गंगा घाटों पर ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूरा क्षेत्र हर हर गंगे के

जयघोष से गुंजायमान हो उठा। भक्तों के उत्साह और उमंग ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने दान पुण्य कर पुण्य लाभ अर्जित किया। बुद्ध पूर्णिमा के स्नान पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहे। एसएसपी के निर्देश अनुसार पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग (शेष पृष्ठ 7पर)

बाबा केदार के दर पर पहुंचे गौतम अडानी

पत्नी के साथ की विशेष पूजा,दुनिया के सबसे ऊंचे रोपवे का लिया जायजा

रुद्रप्रयाग(उद संवाददाता)। हिमालय की गोद में बसे विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का जन सैलाब उमड़ रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार एक मई को देश के प्रख्यात उद्योगपति और अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपनी पत्नी प्रीति अदाणी के साथ बाबा केदार के दर्शन किए। उद्योगपति दंपति ने मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और देश की सुख, शांति व समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की। दर्शन के उपरांत गौतम अदाणी ने

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक बनने वाले महत्वाकांक्षी रोपवे प्रोजेक्ट का हवाई सर्वे (एरियल सर्वे) कर धरातलीय स्थितियों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम तक लगभग 12.9 किलोमीटर लंबे इस रोपवे के निर्माण की जिम्मेदारी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को सौंपी गई है। लगभग 11,500 फीट की ऊंचाई पर बनने वाला यह रोपवे दुनिया के सबसे ऊंचे और लंबे रोपवे में से एक होगा। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद केदारनाथ की नौ घंटे की कठिन पैदल (शेष पृष्ठ सात पर)

महिला दुकानदार से मारपीट कर नगदी लूटी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में एक महिला दुकानदार से कुछ दबंग युवकों द्वारा पीछा करने, छेड़छाड़, मारपीट और दुकान से हजारों की नगदी निकाल ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस को दी तहरीर में महिला ने आरोप लगाते हुए बताया कि सुमित गुप्ता नामक युवक पिछले कई दिनों से कार से उसका पीछा कर मोबाइल नंबर मांगकर परेशान कर रहा था। 24 अप्रैल की शाम करीब पांच बजे युवक अपने साथियों योगेश कुमार समेत चार अन्य के साथ उसकी दुकान पर पहुंचा और गाली- (शेष पृष्ठ सात पर)

मजदूरी पर निकले युवक का नहर में मिला शव

रामनगर। रामनगर के ग्राम मंगलार क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब सिंचाई नहर के भीतर एक युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान कॉर्बेट कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय अलाउद्दीन के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र

हो गए। मृतक के भाई सलमान ने बताया कि अलाउद्दीन रोज की तरह शुक्रवार सुबह भी घर से मजदूरी के लिए निकला था। घर से निकलने के कुछ ही देर बाद स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि मंगलार स्थित सिंचाई नहर में एक युवक का शव पड़ा है। आनन फानन में परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त अलाउद्दीन के रूप में की। परिजन तत्काल शव लेकर अस्पताल पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है। जवान बेटे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

नाबालिग के साथ मारपीट सामूहिक कुकर्म का प्रयास

काशीपुर। एक व्यक्ति ने आधा दर्जन से अधिक लोगों पर रंजिशन उसके पुत्र के साथ मारपीट कर उसके साथ कुकर्म के प्रयास का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।ग्राम बसई का मंझरा निवासी नंदराम पुत्र सेवाराम ने कुंडा कोतवाली को तहरीर देकर बताया कि उसका नाबालिग पुत्र काशीपुर के एक इंटर कॉलेज में पढ़ता है। कहा कि रामगोपाल सिंह पुत्र लेखराज सिंह, रामपाल सिंह, रिंकू पुत्रगण रमेश सिंह, अर्जुन सिंह, हेमराज सिंह पुत्रगण रामगोपाल सिंह, संजय, अरुण, अमन पुत्रगण आनन्द सिंह, अरविन्द पुत्र सोमंती सिंह आपराधिक किस्म के व्यक्ति हैं तथा उसके परिवार से रंजिश रखते हैं। बताया कि 27 अप्रैल को उसका नाबालिग बेटा कहीं जा रहा था इस दौरान घात लगाये पहले से बैठे रामगोपाल सिंह, रामपाल सिंह, रिंकू, अर्जुन, हेमराज, संजय, अरुण, अमन, अरविन्द व 3-4 अन्य अज्ञात लोगों ने उसके बेटे की मोटरसाईकिल में टक्कर मारकर गिरा दिया और गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर आरोपी उसके बेटे को जबरदस्ती मोटरसाईकिल पर बिठाकर ले जाने लगे। शोर-शराबा होने पर और उसके बेटे के विरोध करने पर उक्त सभी लोगों (शेष पृष्ठ सात पर)

मोबाईल मांगा फिर किया चाकू से हमला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गुरूवार की रात्रि पंतनगर थाना क्षेत्र की झा कालोनी में एक सनसनी खेज घटना सामने आई। काल करने के लिए युवक से मोबाईल मांगने के बाद उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। युवक को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार झा कालोनी पंतनगर निवासी सुमित वामल पुत्र सुशील कुमार गुरूवार की रात्रि अपने दोस्त से मिलने झा कालोनी की ओर जा रहा था। मार्ग में उसे यहीं का निवासी एक युवक मिला और उसने काल करने के लिए उससे मोबाईल मांगा। सुमित ने उसे अपना माबाईल दे दिया। इसी दौरान उस युवक ने सुमित पर डंडे से हमला कर दिया। जिससे सुमित जमीन पर आ गिरा। तभी युवक ने पास रखा चाकू निकाल लिया जिसे देख सुमित वहां से जान बचाकर भागने लगा। युवक ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर सुमित को दबोच लिया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। अपना बचाव करने को सुमित ने हाथ आगे किया तो चाकू उसके हाथ में जा घुसा और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। शोर की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग आ (शेष पृष्ठ सात पर)

ग्राम प्रधान के घर में भड़की आग,तीन मवेशियों की मौत

लाखों का नुकसान परिजनों ने भागकर बचाई जान

सितारगंज। पीलीभीत मझोला रोड स्थित ग्राम बगौरी की वर्तमान प्रधान नसीमा बेगम के घर में बृहस्पतिवार की रात अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया और गौशाला में बंधी तीन भैंसों की झुलसने से दर्दनाक मौत हो गई। आग इतनी विकराल थी कि परिवार के सदस्यों ने बमुश्किल घर से

भागकर अपनी जान बचाई। दमकल विभाग की टीम ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान नसीमा बेगम रॉयल गार्डन के समीप बने अपने मकान में परिवार सहित रहती हैं। बृहस्पतिवार रात जब परिवार के लोग जाग रहे थे, तभी अचानक मकान से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। (शेष पृष्ठ सात पर)

भक्तों ने 'पीएम मोदी' की अपील को भी किया 'नजरअंदाज'

आठ दिन में अपने साथ दस क्विंटल प्लास्टिक कचरा ले केदारनाथ पहुंचे श्रद्धालु,प्लास्टिक कचरा के निस्तारण के लिए युद्ध स्तर पर जुटी नगर पंचायत

-अर्श-

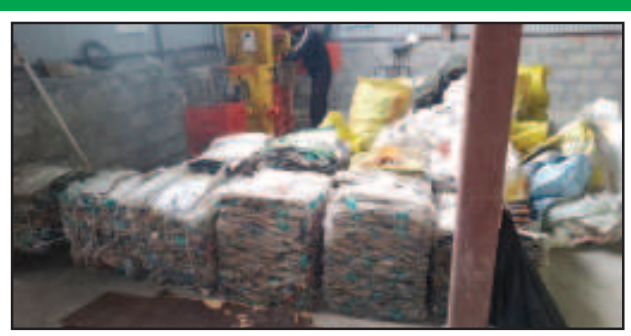

केदारनाथ । बाबा केदार में दर्शन के लिए उमड़ रही तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ पर सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रेम कुछ इस कदर सर चढ़कर बोल रहा है कि भक्तों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को भी नजरअंदाज कर दिया है। गौर तलब है कि कुछ दिनों पूर्व ही दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के लिए उत्तराखंड पहुंचे पीएम मोदी ने उत्तराखंड पहुंचने वाले तीर्थ यात्रियों एवं पर्यटकों से पांच अपील की थी, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने की अपील भी शामिल थी, पर ऐसा लग रहा है जैसे केदारनाथ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं पर प्रधानमंत्री की अपील का कोई असर नहीं हुआ है और वे अपने साथ भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा केदारनाथ ला कर उच्च हिमालय परिस्थितिकी तंत्र को संकट में डाल रहे हैं। संतोष की बात तो यह है कि नगर पंचायत केदारनाथ धाम को प्लास्टिक कचरे से मुक्त रखने की दिशा में कोई भी कोर कसर बाकी नहीं रख रही है और उसे इस दिशा में काफी हद तक सफलता भी

प्राप्त हुई है। बताना होगा कि नगर पंचायत ने यात्रा के पहले एक सप्ताह में ही करीब एक हजार किलो प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर कॉम्पेक्ट कर लिया है और अब नगर पंचायत गीले कचरे का निपटारा करने के लिए भी पक्के पिट बनाने की तैयारी में भी है। याद दिलाना होगा कि अभी तकरीबन सप्ताह भर पहले 22 अप्रैल को ही केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे। यात्रा के पहले ही दिन से धाम में तीर्थयात्रियों की भीड़ उमड़ रही है, जिसके चलते केदार धाम में भारी प्लास्टिक कचरा पहुंच रहा है, जिसमें पानी की बोतलें मुख्य हैं। खास बात तो यह है कि नगर पंचायत केदारनाथ को इस स्थिति का पूर्वाभास था और वह इससे निपटने के लिए पहले से ही तैयार थी। इस क्रम में नगर पंचायत की ओर से धाम में तीन हजार वर्ग फिट क्षेत्र में मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी स्थापित की गई है। जहां धाम में एकत्रित होने वाले प्लास्टिक व ठोस कचरे को जमा कर 15 अलग-अलग श्रेणियों में छांटा जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से प्लास्टिक, कांच, टिन, कपड़े का कचरा आदि शामिल है। इसके साथ ही धाम में ही नगर पंचायत ने कॉम्पेक्टर मशीन भी लगाई गई है, जो बोतलों को कंप्रेश कर 30 से 40 किलो की गठरी के तौर पर तैयार कर देती है। नगर पंचायत केदारनाथ (शेष पृष्ठ 7 पर)

सख्त नियमों के चक्रव्यूह में फंसे उत्तराखंड के मदरसे

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा मदरसा बोर्ड को समाप्त कर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन और नए शैक्षिक सत्र से उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से मान्यता लेने की अनिवार्य शर्त के बाद राज्य में मदरसा शिक्षा व्यवस्था के भविष्य पर गंभीर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। देवभूमि में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि अब राज्य में मदरसे लगभग खत्म होने की कगार पर हैं क्योंकि शायद ही कोई मदरसा प्रबंध समिति उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड के तय मानकों और नियमों को पूरा कर पाएगी। धामी कैबिनेट ने कक्षा 8 तक के लिए मान्यता का अधिकार जिला विद्यालय समिति को सौंपा है जबकि इंटरमीडिएट तक की मान्यता के लिए राज्य स्तरीय शिक्षा बोर्ड में आवेदन करना होगा। सबसे बड़ा सवाल उन मदरसों के लिए खड़ा हो गया है जो वर्तमान में मस्जिदों या छोटे-छोटे कमरों के निजी भवनों में संचालित हो रहे हैं क्योंकि आवेदन से पूर्व उन्हें वे सभी कठिन दस्तावेज और बुनियादी सुविधाएं जुटानी होंगी जो सरकारी नियमानुसार किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए अनिवार्य हैं।वर्तमान में उत्तराखंड मदरसा बोर्ड में कुल 452 मदरसे पंजीकृत हैं जिनकी मान्यता आगामी 30 जून को समाप्त हो रही है। सरकार द्वारा मदरसा बोर्ड को ही खत्म कर दिए जाने के बाद अब इन संस्थानों को 1 जुलाई से अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से संबद्धता लेनी होगी। आंकड़ों के अनुसार राज्य में 192 मदरसे केंद्र और राज्य सरकार से सहायता प्राप्त थे जबकि वक्फ बोर्ड द्वारा 117 मदरसे पंजीकृत किए गए थे जिनमें लगभग 46 हजार बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। गौरतलब है कि धामी सरकार द्वारा कराए गए पूर्व सर्वेक्षण में राज्य में 950 मदरसे चिन्हित हुए थे जिनमें से तकरीबन 300 मदरसे बिना अनुमति के चलते पाए गए जिन पर सरकार ने पहले ही ताला जड़ दिया था। सर्वेक्षण के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया था कि बिहार, असम, यूपी और झारखंड जैसे राज्यों से मुस्लिम बच्चे लाकर यहां पढ़ाया जा रहा था और उनकी पहचान छुपाने के लिए फर्जी

आधार कार्ड तक बनाए गए थे जिसका संज्ञान बाल संरक्षण आयोग ने भी लिया था।धामी सरकार ने अब मदरसों में केवल पारंपरिक दीनी शिक्षा को रोककर उसके स्थान पर उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत निधारित एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया है। देश में पहली बार उत्तराखंड में लागू किए गए अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के माध्यम से अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को भी सरकारी सहायता के दायरे में लाया गया है जो अब तक केवल एक विशेष समुदाय तक सीमित थी। अब मदरसा संचालकों के सामने सबसे बड़ी परेशानी जमीन की उपलब्धता और जरूरी कागजातों को लेकर है क्योंकि नियमानुसार शहरी क्षेत्र में कम से कम 2000 वर्ग मीटर और ग्रामीण क्षेत्रों में 1 एकड़ भूमि का होना अनिवार्य है। अधिकांश मदरसों के पास न तो पर्याप्त भूमि है और न ही खेल का मैदान या मानकों के अनुरूप कमरे। इसके साथ ही संस्थानों के पास बीएड और टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों का भी अभाव है।नए नियमों के तहत अब मदरसा संचालकों को अपने बैंक खातों का विवरण, चंदा उगाही और आर्थिक स्रोतों का भी ऑडिट करवाना होगा। सरकार को ऐसी जानकारियां मिली थीं कि कुछ मदरसा संचालक स्थानीय और खाड़ी देशों से मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग बच्चों की शिक्षा के बजाय अपने व्यक्तिगत ऐशो आराम पर कर रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्पष्ट कहना है कि उत्तराखंड में अवैध मदरसे बंद कर दिए गए हैं और अब अल्पसंख्यक समाज के बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से जोड़ने के लिए उन्हें हर हाल में उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से मान्यता लेनी होगी और जो संस्थान ऐसा नहीं करेंगे उन्हें बंद कर दिया जाएगा।अल्पसंख्यक विभाग के विशेष सचिव डॉ पराग मधुकर धकाते ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा का अधिकार सबके लिए समान है और सरकार का प्रयास हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। उन्होंने बताया कि सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड की मान्यता लेनी होगी और यदि वे धार्मिक शिक्षा देना चाहते हैं तो उसका पाठ्यक्रम प्राधिकरण की शिक्षा समिति ही तय करेगी। मानकों का अनुपालन सबके लिए बराबर होगा हालांकि सरकार इन संस्थानों के विकास, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों के लिए सहयोग देने को तैयार है। अब प्राथमिक स्कूल के लिए 10 हजार और उच्च प्राथमिक के लिए 15 हजार आवेदन शुल्क के साथ साथ लाखों की बैंक गारंटी भी जमा करानी होगी। मानकों में किसी भी प्रकार की कमी या बिना मान्यता के स्कूल चलाने पर संस्थान की मान्यता रद्द कर उसे अवैध घोषित कर दिया जाएगा।

देहरादून और नैनीताल में भूजल संवर्धन कार्य 30 जून तक पूरे करने की समय सीमा तय

जल संरक्षण कार्यों की धीमी गति पर मुख्य सचिव सख्त

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिवालय में जल संरक्षण के लिए गठित स्प्रिंग एंड रिवर रिज्युविनेशन अथॉरिटी (सारा) के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की है। मुख्य सचिव ने जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में हो रहे कार्यों की धीमी गति को देखते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि तत्काल कार्यों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सारा को अगले एक वर्ष की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने के साथ ही प्रत्येक कार्य की समय सीमा निर्धारित करने को कहा है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि प्रदेशभर की सभी नदियों पर एक साथ हाथ डालने के बजाय प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित नदियों पर चरणबद्ध तरीके से कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने टिहरी जनपद में बनाई गई चेकडैम श्रृंखला की तर्ज पर अन्य जनपदों में भी कार्यों की गति बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही चेकडैम्स के रखरखाव और डिसिल्टिंग को योजना का अनिवार्य हिस्सा बनाने की बात कही। मुख्य सचिव

ने स्पष्ट किया कि देहरादून और नैनीताल जनपदों में भूमिगत जल संवर्धन से संबंधित चिन्हित कार्यों को आगामी दो माह के भीतर यानी 30 जून 2026 तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रगति रिपोर्ट को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट लक्ष्य दिए जाएं और जिलाधिकारी स्तर पर इन योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि वन डिस्ट्रिक्ट वन रिवर योजना के तहत राज्य में नदियों और भूजल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का कार्य वैज्ञानिक पद्धति से किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 5775 जल स्रोतों की पहचान की गई है जिनमें 2664 स्प्रिंग, 1701 नौले और 1282 क्रिटिकल स्ट्रीम्स शामिल हैं। वर्तमान में शिप्रा, गौड़ी, सोंग, नयार और पूर्वी रामगंगा जैसी प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर कार्य शुरू कर दिया गया है। इन योजनाओं में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। बैठक में अपर सचिव हिमांशु खुराना और कहकशा नसीम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने तकनीकी सहयोग के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की मदद लेने और वृक्षारोपण व जल बचत के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया।

अरोड़ा ने लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों पर जतायी चिंता

किच्छा (उद संवाददाता)। देवभूमि व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विजय अरोड़ा ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नगर के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी चोरों ने दहशत फैला रखी है, जिससे व्यापारियों और आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। विजय अरोड़ा ने विशेष रूप से किच्छा के प्रतिष्ठित व्यापारी राजेंद्र गोयल के आवास पर हुई चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस बड़ी घटना को बीते दो सप्ताह से अधिक का समय हो गया है, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस द्वारा चोरी के खुलासे के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और स्वयं जनपद के पुलिस कप्तान भी मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, इसके बावजूद सफलता न मिलना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पुलिस के प्रयासों के बाद भी चोरों का पकड़ में न आना पुलिस विभाग की कार्यकुशलता पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है। खुलासे में हो रही देरी से व्यापारियों में भारी असंतोष पनप रहा है और आम जनता का पुलिस पर से विश्वास कम हो रहा है। अरोड़ा ने पुलिस प्रशासन को और अधिक अपडेट और सक्रिय होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से पुरजोर मांग की है कि किच्छा क्षेत्र में हुई चोरी की इन तमाम घटनाओं का शीघ्र पर्दाफाश किया जाए। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर माल बरामद नहीं किया गया, तो व्यापारी संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। उन्होंने पुलिस से गश्त बढ़ाने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की भी अपील की ताकि आम जनता शांतिपूर्ण ढंग से अपना व्यवसाय और जीवन यापन कर सके।

केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को आवंटित की 150 मेगावाट अतिरिक्त बिजली

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में बढ़ती बिजली की मांग और उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्य के पक्ष में एक बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विशेष अनुरोध पर भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने उत्तराखंड को 150 मेगावाट अतिरिक्त बिजली आवंटित करने की मंजूरी दे दी है। विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह अतिरिक्त बिजली पश्चिमी क्षेत्र के अनआवंटित बिजली पूल से उपलब्ध कराई जाएगी। बिजली का यह नया आवंटन 1 मई 2026 से प्रभावी होकर 30 जून 2026 तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री के इस प्रयास से प्रदेश में बिजली की कमी को दूर करने में बड़ी मदद मिलेगी। विशेष रूप से आगामी दो महीनों की पीक डिमांड के दौरान आम उपभोक्ताओं को निर्बाध और बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार इस फैसले से राज्य के ऊर्जा क्षेत्र को बड़ी मजबूती मिलेगी।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

जनगणना 2027 में दोहरी ड्यूटी से कार्मिक परेशान

पंतनगर। जनगणना 2027 में उत्तराखंड बीज एवं तराई विकास निगम से लगभग एक दर्जन से ज्यादा कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। कार्मिकों द्वारा कड़ी धूप में अपने अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर कार्य संपादित किया जा रहा है। परन्तु विभाग द्वारा जारी आदेश दिनांक 30 अप्रैल 2026 के माध्यम से जनगणना कार्य के साथ साथ निगम कार्य करने हेतु आदेशित किया गया है। जिससे कार्मिकों में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जिस कारण जनगणना कार्य प्रभावित होने से इंकार नहीं किया जा सकता। ज्ञातव्य हो कि अन्य समस्त विभागों द्वारा अपने कार्मिकों को जनगणना 2027 कार्य हेतु पूर्ण रूप से कार्यमुक्त किया गया है।

आर.ए.एन. किड्स में मदर्स डे की धूम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आर.ए.एन. किड्स के प्रांगण में मदर्स डे का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। शुक्रवार एक मई को आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिंदु वासिनी, शादाब बानू और प्रधानाचार्या मुक्ता शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की एडवाइजर रेखा कर्नाटक ने सभी अतिथियों और उपस्थित माताओं का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके योगदान की सराहना की।समारोह में कक्षा एक और दो के छोटे-छोटे बच्चों ने मनमोहक नृत्य और मधुर संगीत की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। इस अवसर पर माताओं के लिए विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें डांस, संगीत, पोस्टर कला, मेहंदी और फैशन शो प्रमुख रहे। इसके अलावा सलाद डेकोरेशन, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, टैटू मेकिंग, अंताक्षरी और 'खुल जा सिमसिम' जैसी गतिविधियों में माताओं ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विद्यालय की एडवाइजर रेखा कर्नाटक ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मां परिवार की धुरी होती है और ऐसे आयोजन उनके समर्पण को सम्मान देने का एक माध्यम हैं। कार्यक्रम के समापन पर हेड मिस्ट्रेस गरिमा घई ने समस्त अतिथियों, अभिभावकों और स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाए

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल ने कहा कि भगवान बुद्ध द्वारा दिखाए गए सत्य, अहिंसा, दया और करुणा के मार्ग आज के आधुनिक युग में और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनके विचार हमें निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बुद्ध की शिक्षाओं पर चलकर समाज में शांति, सहिष्णुता और लोक कल्याण की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी। इस पावन पर्व पर राज्यपाल ने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की है।वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि महात्मा बुद्ध का अहिंसा, करुणा और शांति का संदेश संपूर्ण मानवता के लिए एक अमूल्य निधि है। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि बुद्ध की शिक्षाएं हमें जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध ने विश्व कल्याण के लिए मैत्री भावना और बिना किसी भेदभाव के संगठित रहने पर विशेष बल दिया था। मानव मात्र के उत्थान के लिए उनके द्वारा दिए गए संदेश सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। मुख्यमंत्री ने भगवान बुद्ध के आदर्शों को आत्मसात कर प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया है।

शिक्षा के साथ खेलों में भी बच्चों का उज्जवल भविष्य: बत्रा

दा ऑक्सफोर्ड अकादमी में स्पोर्ट्स एकेडमी का शुभारंभ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान दा ऑक्सफोर्ड अकादमी में आज स्पोर्टस ऐकेडमी का शुभारम्भ हुआ। जिसके तहत विद्यार्थियों को समुचित विकास के साथ-साथ गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न खेलों में पारंगत होने का अवसर प्राप्त हो सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा धिकारी श्रीमती जानकी कार्की एवं विद्यालय के संरक्षक रोहिताश बत्रा द्वारा स्पोर्टस ऐकेडमी का फीता काटकर भव्य शुभारम्भ किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुये विर्धाजन के साथ-साथ शारीरिक व मानसिक विकास हेतु अवसर प्राप्त हो सके । जिसमें क्रिकेट, कबडडी, फुटबॉल, बॉक्सिंग को सम्मिलित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक रोहिताश बत्रा ने कहा कि आज खेलों के माध्यम से भी बच्चे अपना बेहतर भविष्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में बच्चों को कई खेलों का कुशल प्रशिक्षकों द्वारा बेहतर प्रशिक्षण देकर उनकी खेल प्रतिभा को निखारा जा रहा है। साथ ही यहां खेल सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का शारिरिक व मानसिक विकास भी बहुत जरूरी है, इसको ध्यान में रखतें हुये विद्यालय में स्पोर्टस ऐकेडमी का शुभारम्भ किया गया है। इसके साथ ही सी० के० जोशी बॉक्सिंग कोच जिनके सानिध्य में विद्यार्थियों ने नेशनल व इंटरनेशनल बॉक्सिंग चौम्पियन में गोल्ड मेडल हासिल किया, का भी आर्शिवाद विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबन्ध समिति के सदस्य रोहिताश बत्रा, वैभव बत्रा, श्रीमती मितिका बत्रा, सुरेन्द्र मिढढा, अमित जिन्दल, श्रीमती प्रीति पपनेजा आदि उपस्थित रहे।

कोटेदार पर उपभोक्ताओं की चीनी हड़पने का आरोप

सितारगंज। नगर के वार्ड संख्या 5 में सरकारी राशन के वितरण में धांधली का मामला सामने आया है। यहाँ के अंत्योदय कार्ड धारकों ने कोटेदार पर चीनी और राशन की चोरी करने के साथ-साथ उपभोक्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। नियमों के अनुसार, अंत्योदय कार्ड धारकों को मार्च माह में पूरे वर्ष की 12 किलो चीनी मिलनी चाहिए थी। लेकिन वार्ड 5 के पीड़ित उपभोक्ताओं का आरोप है कि कोटेदार ने प्रति कार्ड केवल 10 किलो चीनी वितरित की है। प्रति परिवार 2 किलो चीनी का सीधा गबन किया जा रहा है, जिससे गरीब परिवारों में भारी आक्रोश है।यही नहीं, वर्तमान में वितरित किए जा रहे तीन महीने के राशन में भी कोटेदार द्वारा जमकर खेल किया जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि प्रत्येक कार्ड पर 2 से 3 किलो राशन कम दिया जा रहा है। शहर के बीचों-बीच स्थित इस दुकान के समय पर न खुलने के कारण लोगों को बार-बार चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कोटेदार की मनमानी से त्रस्त होकर अंत्योदय कार्ड धारक बीना पांडे, भगवान देई, चंपा देवी, कलावती, जानकी, आनंद बिष्ट, रितु, दुर्गा प्रसाद, पूनम देवी, अमरनाथ और सोनी देवी आदि ने एक सुर में आवाज उठाई है। इन उपभोक्ताओं का कहना है कि कोटेदार बुजुर्गों और महिलाओं के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करता है और विरोध करने पर राशन न देने की धमकी देता है। वार्ड के इन अंत्योदय धारकों ने प्रशासन से मांग की है कि कोटेदार के स्टॉक की जांच कर उसका लाइसेंस तुरंत निरस्त किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि पात्रों के हक की चीनी और राशन उन्हें पूरा नहीं मिला, तो वे इस मामले को मुख्यमंत्री पोर्टल तक ले जाएंगे और आंदोलन करेंगे। वही पूर्ति निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह धामी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। शनिवार को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में आरोप पुष्ट होने पर कार्रवाई की जाएगी।

सिलेंडर की बढ़ी कीमत वापस ले सरकार : जुनेजा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी पर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी व्यापारियों के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं

है और इसका सीधा असर छोटे व मध्यम वर्गीय कारोबारियों पर पड़ेगा। आम उपभोक्ता को भी खाने-पीने की चीजों में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। संजय जुनेजा ने कहा कि होटल, रेस्टोरेंट, चाट-टिक्की के ठेले जैसे छोटे व्यवसाय इस बढ़ोतरी के कारण बंदी के कगार पर पहुंच सकते हैं। पहले से ही बढ़ती महंगाई और घटती आमदनी के बीच व्यापारियों के लिए खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है, ऐसे में गैस सिलेंडर की कीमतों में इतनी बड़ी वृद्धि ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने कहा कि इसका असर केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम जनता की जेब पर भी सीधा बोझ पड़ेगा। खाद्य पदार्थों के दामो मे भारी बढ़ोतरी होगी , जिससे हर वर्ग प्रभावित होगा। साथ ही 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर में 261 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि इससे निम्न वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों पर भारी आर्थिक दबाव पड़ेगा।जुनेजा ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इस बढ़ोतरी को तुरंत वापस लिया जाये अन्यथा व्यापारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ

गदरपुर (उद संवाददाता)। समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी सिख मिशनरी कॉलेज लुधियाना की गदरपुर इकाई द्वारा वार्ड नंबर 10 में आयोजित सिलाई प्रशिक्षण शिविर और सहायता कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी मोहम्मद आलम ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पूर्व सभासद मोहम्मद आलम ने प्रशिक्षण ले रही बालिकाओं से जानकारी ली और संस्था द्वारा चलाए जा रहे पुनीत कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।प्रशिक्षण केंद्र की ट्रेनर सिमरन कौर ने बताया कि वर्तमान में 45 बालिकाएं सिलाई का हुनर सीख रही हैं जिन्हें संस्था की ओर से मुफ्त कपड़ा और सिलाई मशीन की सुविधा दी जा रही है। कार्यक्रम आयोजक देवेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि पिछले 20 वर्षों से निरंतर संचालित इस अभियान के माध्यम से अब तक 15000 से अधिक बालिकाओं को रोजगार परक शिक्षा देकर आत्मनिर्भर बनाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि गुरु अमर दास के प्रकाश पर्व को समर्पित इस आयोजन में 12 जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री और 16 बालिकाओं को वस्त्र उपहार स्वरूप भेंट किए गए। समाजसेवी मोहम्मद आलम ने कहा कि समाज के अन्य संपन्न लोगों को भी ऐसे नेक कार्यों के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉक्टर मीनू मलिक ने संस्था के प्रयासों को एकजुट होकर समर्थन देने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मीडिया क्लब गदरपुर के अध्यक्ष मुकेश पाल ने कहा कि प्रेस क्लब और मीडिया क्लब ऐसे सामाजिक कार्यों के प्रचार प्रसार के लिए सदैव तत्पर हैं। कार्यक्रम प्रभारी परमजीत कौर ने बताया कि संस्था हर माह दो दर्जन परिवारों को राशन और हर तीन माह में 10 विवाह योग्य बालिकाओं को सहायता सामग्री प्रदान करती है। इस अवसर पर डॉक्टर ललित मलिक, प्रभजोत सिंह, इंद्रजोत सिंह, जसप्रीत सिंह, आस्था खेड़ा, स्वाति, साजिया, सानिया, रिमझिम, नगमा, खुशबू, सलोनी, आशिया, राखी, अर्शी, नीलम, सिमरन, पूनम, सायरा, ज्योति, ममता, रोशनी, अर्चना, जया, सायरीन सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पूर्व विधायक ठुकराल ने महानाम संकीर्तन में लिया आशीर्वाद

रूद्रपुर। पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजकुमार ठुकराल ने खानपुर नंबर एक और दिनेशपुर के वार्ड नंबर 9 में आयोजित अखंड महानाम संकीर्तन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने भक्तिमय वातावरण में संकीर्तन श्रवण किया और महामंत्र का जाप कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दोनों ही स्थानों पर आयोजन समितियों द्वारा पूर्व विधायक ठुकराल का जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संकीर्तन समारोह में विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर राजकुमार ठुकराल ने कहा कि भक्ति और संकीर्तन से न केवल मन को शांति मिलती है, बल्कि यह समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि महानाम संकीर्तन जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं, जो हमें सत्य और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से समीर सिकदार, मिहिर विश्वास, तारक पात्र, किशोर मुनि, देवदास मण्डल, गौतम मुनि, राहुल विश्वास, अमूल्य दास, जयदेव मण्डल, निर्मल विवास, संदीप विश्वास, राजू विश्वास, रतन राय, तरूण बाला, अभिषेक राय, सुरेश राय, प्रकाश सरकार, देवन विश्वास, सपन विश्वास, करण राय, मिथुन मल्लिक, विशाल माझी, गंगा सरकार, सन्नो राय, शांति राय, अजना मुनि, उषा विश्वास, मनमोथन, मनोरंजन, विकास विश्वास, मनीमोहन, मुकुंद सरकार, गोविंद विश्वास, अनिल बनर्जी, बाबू राम सरकार, कालीचरण विश्वास, अशोक राय, किशोरी विश्वास, अमल राय, विमल राय, अभिनाश राय, विश्वजीत राय, अभिषेक राय, सुनन्द राय और सुशीला देवी सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र-छात्राओं को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जनपद के मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए जिला सभागार में एक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश स्तरीय वरीयता सूची में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन प्रतिभाशाली छात्रों की राह में आर्थिक तंगी को बाधा नहीं बनने देगा। समारोह में रामकुमारी अग्रवाल इंटर कॉलेज खटीमा की छात्रा काशिश पांडे, जिन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रदेश में 21वां स्थान प्राप्त किया, और इसी विद्यालय के देवेश सिंह, जिन्होंने हाईस्कूल में प्रदेश में 14वां स्थान हासिल किया, को जिलाधिकारी ने बधाई दी। मेधावियों से संवाद करते हुए उन्होंने उनके पढ़ाई के तरीकों और लक्ष्यों के बारे में जाना। जिलाधिकारी ने कहा कि अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों की विशेष काउंसलिंग कराई जाए और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाए। इस बीच जिलाधिकारी ने किसान इंटर कॉलेज कुन्डेशवरी काशीपुर के कक्षा 12 के छात्र मोहम्मद सकघ्लैन की प्रतिभा और उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए एक बड़ी घोषणा की। जिलाधिकारी ने सकघ्लैन को उनकी पढ़ाई सुचारू रखने के लिए आर्थिक सहायता और एक लैपटॉप उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि संसाधन की कमी किसी भी होनहार छात्र का भविष्य नहीं रोकनी चाहिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी गौरव पाण्डे, प्रधानाचार्य भगत सिंह बोरा, डॉ. किरण सिंह और मेधावी छात्रों के अभिभावक उपस्थित रहे।

किडनैपिंग के प्रयास मारपीट और धमकी में तीन नामजद

काशीपुर। युवक ने तीन युवकों पर उसके साथ मारपीट कर अपहरण के प्रयास का करने व जान मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है।रॉयल इन्क्लेव निवासी कुनाल चौधरी पुत्र सुधीर चौधरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 29 अप्रैल की दोपहर के लगभग 12:30 बजे वह पॉलीटेक्निक, गया था, तभी वहां पर चेलू, इस्मित और एक अज्ञात लड़का आल्टो कार से आये और आकर कार को उसकी मोटर साईकिल के पीछे लगा दिया। काफी दूरी तक पीछा करने के उपरान्त चेलू ने अपनी कार उसकी मोटर साईकिल के आगे लगा कर मोटर साईकिल रुकवा दी और चेलू, इस्मित उसे जबरदस्ती कार में बैठाने लगे। जब उसने विरोध किया तो उक्त युवकों ने चाकू व डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया। उसके शोर मचाने पर वहां मौजूद व्यक्तियों ने उसे बचाया। बाद में आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(1), 126(2), 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हमारे बुजुर्ग समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर: धामी

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में वरिष्ठ नागरिक सम्मान एवं खेल समारोह में किया प्रतिभाग

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हल्द्वानी स्थित डॉ सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रेक्षागृह में आयोजित वरिष्ठ नागरिक सम्मान एवं खेल समारोह-2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में बुजुर्गों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनका सम्मान ही किसी भी सभ्य समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव और मार्गदर्शन से समाज को सही दिशा मिलती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस परिवार और समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहां सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने वरिष्ठजनों को समाज की मजबूत जड़ों की संज्ञा देते हुए कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन सामाजिक संरचना को सुदृढ़ बनाए रखता है।उन्होंने समारोह में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा वॉलीबॉल, फुटबॉल और बैडमिंटन जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह संदेश देता है कि उम्र केवल एक संख्या है और जीवन में ऊर्जा एवं उत्साह का कोई विकल्प नहीं है।मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं जैसे अटल वयोअभ्युदय योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के माध्यम से वरिष्ठजनों के जीवन को सुरक्षित और गरिमामय बनाने का कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत राज्य के लगभग 6 लाख वरिष्ठजनों को प्रतिमाह 1500 रुपये की पेंशन डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जा रही है। साथ ही, पति-पत्नी दोनों को अलग-अलग पेंशन देने का निर्णय उनकी आर्थिक सुरक्षा को और सुदृढ़ कर रहा है।मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी में राजकीय वृद्धाश्रम संचालित हैं, जबकि देहरादून, अल्मोड़ा और चम्पावत में नए भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, रुद्रपुर में एक आधुनिक मॉडल वृद्धाश्रम का निर्माण भी किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि अटल वयोअभ्युदय योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, राज्य में पहली बार जेरियाट्रिक केयर गिवर प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मानव संसाधन तैयार किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा निशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की सुविधा भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 1300 वरिष्ठ नागरिकों की निशुल्क सर्जरी का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को अपने भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार प्राप्त हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा उनके गरिमामय जीवन के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

नाले पर अवैध निर्माण किया सील

रामनगर (उद संवाददाता)। ग्राम ढिकुली क्षेत्र में बरसाती नाले पर कब्जा कर किए जा रहे अवैध निर्माण पर जिला विकास प्राधिकरण की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन भवन को सील कर दिया है। गुरुवार को प्राधिकरण के अवर अभियंता रोहित सिंह बिष्ट ने पुलिस बल की मौजूदगी में इस कार्रवाई को अंजाम दिया। एसडीएम गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि ढिकुली क्षेत्र में अवैध निर्माण की शिकायत पर बुधवार को टीम ने निरीक्षण कर कार्य रोकने के आदेश दिए थे और चालान की कार्रवाई भी की थी।प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना करते हुए बुधवार देर रात मौके पर गुपचुप तरीके से निर्माण कार्य जारी रखा गया जिसकी सूचना डायल 112 और एसडीएम को मिली। सूचना मिलते ही एसडीएम ने रात्रि में ही मौके पर पहुंचकर कार्य रुकवाया और पुलिस तैनात की। इसके बाद गुरुवार को प्राधिकरण की टीम ने विधिक प्रक्रिया अपनाते हुए भवन को पूरी तरह सील कर दिया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि नाले पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।वहीं भवन स्वामी असलम सिद्दीकी ने प्राधिकरण की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह जमीन उनकी पत्नी के नाम है जिसकी रजिस्ट्री और दाखिल खारिज मौजूद है। उन्होंने दावा किया कि जिला पंचायत से नक्शा भी पास कराया गया है और विभाग बिना किसी पूर्व सूचना के प्रताड़ित करने की नीयत से कार्रवाई कर रहा है। दूसरी ओर शिकायतकर्ता शिल्पेंद्र बंसल ने बताया कि उक्त क्षेत्र में उनका भी प्लॉट है और नाले के ऊपर किया जा रहा यह अवैध निर्माण पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि इस मामले में न्यायालय में वाद भी विचाराधीन है।

लालपुर महाराजपुर मार्ग की दुर्दशा पर जताई नाराजगी

किच्छा (उद संवाददाता)। किच्छा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लालपुर से महाराजपुर मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर विधायक तिलक राज बेहड़ ने मौके का निरीक्षण कर सड़क की गुणवत्ता पर सख्त रुख अपनाया है। निरीक्षण के दौरान सड़क कई स्थानों पर जर्जर अवस्था में पाई गई जिस पर विधायक ने लोक निर्माण विभाग के सचिव और प्रमुख अभियंता को पत्र प्रेषित कर मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। साथ ही अधिशासी अभियंता से फोन पर वार्ता कर निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही पर कड़ी नाराजगी प्रकट की।विधायक बेहड़ ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023 24 के अंतर्गत लालपुर से महाराजपुर तक लगभग 1500 मीटर सड़क का निर्माण करीब 20 वर्षों के अंतराल के बाद टीडब्ल्यूटी तकनीक से लगभग 2.08 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया था। विभाग द्वारा इस तकनीक को राज्य की सर्वोत्तम और दीर्घकालिक बताते हुए इसकी उम्र 20 वर्ष दावा की गई थी। बेहड़ ने कहा कि निर्माण के एक वर्ष के भीतर ही सड़क का टूट जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। उन्होंने संदेह जताया कि यदि सर्वोत्तम तकनीक वाली सड़क की यह दुर्दशा है तो भविष्य में शिमला पिस्तौर आनंदपुर नगला और ट्रांजिट कैंप में इसी तकनीक से बन रही सड़कों की गुणवत्ता क्या होगी।विधायक ने मांग की है कि एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर इस तकनीक से निर्मित सभी सड़कों की जांच कराई जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कमी तकनीक में है या ठेकेदार की लापरवाही के कारण सड़क टूटने लगी है। उन्होंने विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि तकनीक दोषपूर्ण है तो भविष्य में इससे कार्य न कराए जाएं। इस प्रकरण में विधायक पूर्व में भी 6 अप्रैल 2026 को पत्राचार कर चुके हैं।इधर विधायक प्रतिनिधि गौरव राज बेहड़ ने भी लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता के साथ स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता सहन नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने एक सप्ताह के भीतर सड़क मरम्मत कार्य प्रारंभ करने का आश्वासन दिया है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सदस्य गुरदास कालड़ा विनोद ठुकराल परविन्द्र सिंह अजय खुराना नरेश खुराना शिवम् चिलाना किशन ठुकराल मिलन और रवि चावला समेत अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में नीरज बिष्ट ने जीता सिंगल्स खिताब

डबल्स मुकाबले में प्रमोद मल्ल और अनिल कुमार की जोड़ी रही अव्वल

पंतनगर (उद संवाददाता)। विश्वविद्यालय के स्टीवेंसन स्टेडियम में आयोजित स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब टेबल टेनिस प्रतियोगिता का शानदार समापन हो गया। प्रतियोगिता के सिंगल्स और डबल्स मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में नीरज बिष्ट ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रमोद मल्ल को 3 2 से पराजित कर चौंपियनशिप अपने नाम की। वहीं डबल्स श्रेणी में प्रमोद मल्ल और अनिल कुमार की जोड़ी ने अपना दबदबा कायम रखते हुए नीरज बिष्ट और आरपी मोर्या की जोड़ी को सीधे सेटों में 3 0 से हराकर जीत दर्ज की।स्टेडियम में खेले गए सिंगल्स मैच के दौरान रोमांच चरम पर रहा। नीरज बिष्ट ने पहला सेट 21 15 से जीतकर बढ़त बनाई लेकिन इसके बाद प्रमोद मल्ल ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे सेट को क्रमशः 21 18 व 21 15 से जीतकर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। निर्णायक मोड़ पर नीरज बिष्ट ने अपनी खेल तकनीक का लोहा मनवाते हुए अंतिम दो सेट 21 13 और 21 18 से जीतकर खिताबी जीत हासिल की। डबल्स मैच में प्रमोद मल्ल और अनिल कुमार की जोड़ी ने विपक्षी टीम को संभलने का मौका नहीं दिया और 21 15, 21 18 व 21 18 के अंतर से मैच जीत लिया।समापन अवसर पर प्रभारी अधिकारी शारीरिक शिक्षा जीएस बोहरा, पूर्व सचिव स्टाफ स्पोर्ट्स क्लब एनके सिंह और योगेश पंत ने सभी विजेता व उपविजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। निर्णायक की भूमिका निभाने वाले प्रथम और हेमंत जोशी को भी स्मृति चिह्न भेंट किए गए। इस मौके पर जीएस बोहरा ने कहा कि इस तरह के आयोजन विश्वविद्यालय के कर्मियों के बीच आपसी सद्भावना और भाईचारा बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों को कार्य के साथ साथ खेलों को भी जीवन में प्राथमिकता देने का आह्वान किया। क्लब के कोषाध्यक्ष प्रभाकर जोशी ने प्रतियोगिता का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और संयोजक रजनीश कुमार पाण्डेय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पहचाना छिपाकर युवतियों का शोषण करने का आरोपी दबोचा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भीमताल में पहचान छिपाकर युवतियों के शोषण व धोखाधड़ी के आरोपी मोहम्मद यूनुस को पुलिस ने नैनीताल क्षेत्र से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेशी के बाद उस 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर में आरोप था कि आरोपी मोहम्मद यूनुस निवासी कुआंताल, भीमताल अपनी पहचान छिपाकर महिलाओं से संपर्क करता था। फोटोग्राफी, वीडियो शूट, ट्रेकिंग और म्यूजिक सेशन जैसी गतिविधियों के माध्यम से वह पहले विश्वास कायम करता और फिर उन्हें अपने प्रभाव में लेता था। आरोप है कि 2020 में संपर्क स्थापित करने के बाद आरोपी ने पीड़िता से करीब 17 लाख रुपये विभिन्न उपकरणों (कैमरा, लेंस और मोबाइल आदि) पर खर्च कराए। इसके बाद विवाह का झांसा देकर अपनी धार्मिक पहचान छिपाई गई और धीरे-धीरे धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया। मामले में अन्य पीड़िताओं ने भी इसी प्रकार के शोषण और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयास की शिकायतें सामने आने से मामला और गंभीर हो गया, जिसमें सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट के आदेश पर एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने टीम गठित की। आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने को हाईकोर्ट की शरण ली, लेकिन उसे किसी प्रकार की राहत नहीं मिली। एसएसपी ने गठित विशेष पुलिस टीम भीमताल पुलिस, एसआईटी, एसओजी की संयुक्त टीम ने एसपी क्राइम नैनीताल डॉ. जगदीश चन्द्र, के पर्यवेक्षण में लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी। जिसके फरार आरोपी मो. यूनुस को नैनीताल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में श्रीमती अंजना नेगी क्षेत्राधिकारी भवाली (टीम प्रभारी), राजेश कुमार यादव प्रभारी निरीक्षक, भीमताल, प्रकाश सिंह मेहरा प्रभारी निरीक्षक भवाली, विजय नेगी थानाध्यक्ष बेतालघाट, उप निरीक्षक मनोज नयाल थानाध्यक्ष तल्लीताल, उप निरीक्षक मोहन सोन थाना खनस्यू,उप निरीक्षक महेन्द्र राज कोतवाली भवाली, महिला उप निरीक्षक सुनीता कुमार प्रभारी महिला समाधान केंद्र नैनीताल, महिला उप निरीक्षक आशा बिष्ट थाना तल्लीताल, कांस्टेबल हरीश बिष्ट, विरेंद्र गोले, प्रकाश चन्द, राहुल राणा, ललित आगरी,हेड कांस्टेबल कुन्दन कनैत, अरविन्द बिष्ट, भूपेन्द्र जेठा शामिल थे।

रोहित नैन बने पीएनबी गदरपुर के नए मुख्य प्रबंधक

गदरपुर (उद संवाददाता)। बैंकिंग क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले रोहित नैन को पदोन्नति के बाद पंजाब नेशनल बैंक गदरपुर में मुख्य प्रबंधक के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने 20 अप्रैल 2026 को शाखा पहुंचकर अपना कार्यभार विधिवत रूप से ग्रहण कर लिया। रोहित नैन की इस नियुक्ति से बैंक ग्राहकों और स्थानीय व्यापारियों में हर्ष का माहौल है। मूल रूप से कुरुक्षेत्र हरियाणा के निवासी रोहित नैन ने अपने बैंकिंग करियर की शुरुआत वर्ष 2009 में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स से कृषि अधिकारी के रूप में लाडवा कुरुक्षेत्र से की थी। अपनी कार्यकुशलता और समर्पण के बल पर उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दीं और वरिष्ठ प्रबंधक तक का सफर तय किया। हाल ही में उन्हें पदोन्नत कर मुख्य प्रबंधक बनाया गया जिसके बाद उनकी तैनाती गदरपुर शाखा में की गई है। उनके गदरपुर आगमन पर बैंक स्टाफ और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने स्वागत करते हुए खुशी व्यक्त की। रोहित नैन की बैंकिंग कार्यों में विशेषज्ञता और उनके अनुभव से गदरपुर क्षेत्र के ग्राहकों को और भी बेहतर व सुगम सेवाएं मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अग्रवाल महिला समिति की नई कार्यकारिणी गठित

उषा अग्रवाल अध्यक्ष और शालिनी गोयल निर्विरोध चुनी गईं महामंत्री

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। अग्रवाल भवन में अग्रवाल महिला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज अग्रसेन और कुलदेवी लक्ष्मी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। नई कार्यकारिणी में उषा अग्रवाल को अध्यक्ष शालिनी गोयल को महामंत्री और सपना मित्तल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही पुष्पा गर्ग राधा अग्रवाल और सुषमा अग्रवाल को सरपरस्त मनोनीत किया गया। समिति के विस्तार में शशि अग्रवाल व उषा श्यामपुरिया को उपाध्यक्ष मंजू अग्रवाल व गरिमा अग्रवाल को मंत्री पद का उत्तरदायित्व दिया गया। महामंत्री शालिनी गोयल ने बताया कि संगठन को मजबूती देने के लिए सभी नए सदस्यों का पटका पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान आयोजित पंक्चुअलिटी प्रतियोगिता में अंशु अग्रवाल और शालू अग्रवाल विजेता रहीं। अध्यक्ष उषा अग्रवाल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यकारिणी गठन के उपलक्ष्य में सभी सदस्यों के लिए वेलकम पार्टी और तंबोला का भी आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर रेनू अग्रवाल अंशु अग्रवाल आरती सिंघल शारदा अग्रवाल दिया मित्तल बबिता जैन खुशी अग्रवाल पूजा सिंघल मंजू अग्रवाल ललिता बंसल रश्मि गुप्ता चारु अग्रवाल रश्मि जिंदल मीरा बंसल बीना जैन पूनम मित्तल श्वेता मित्तल आशा खंडेलवाल और शशि अग्रवाल समेत अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

बिजली का पोल गिरने से बुजुर्ग घायल

लालपुर। मौसम में आए अचानक बदलाव और तेज आंधी के चलते मंगलवार शाम एक बुजुर्ग पर बिजली का पोल गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बुजुर्ग को परिजनों द्वारा तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।जानकारी के अनुसार ग्राम महाराजपुर निवासी विशाल ने बताया कि उसके पिता वीरेंद्र सिंह श्याम कॉलोनी, ग्राम कनकपुर स्थित अपने प्लॉट में कार्य कर रहे थे। इसी दौरान तेज आंधी के चलते पास खड़ा विद्युत पोल अचानक गिर पड़ा और वह उसकी चपेट में आ गए, जिससे उन्हें चोटें आईं।घटना के बाद परिजनों ने तत्काल विद्युत विभाग को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि अब तक विभाग का कोई भी अधिकारी न तो अस्पताल में घायल बुजुर्ग का हाल-चाल जानने पहुंचा और न ही उनके घर जाकर स्थिति का जायजा लिया। इसे लेकर परिजनों में भारी नाराजगी है।परिजनों ने ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता से मिलकर घटना की जांच कराने, दोषियों पर कार्रवाई करने और घायल बुजुर्ग को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।इस संबंध में अधिशासी अभियंता संजय तिवारी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ गया है और जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वहीं, उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा का कहना है कि आंधी के कारण बिजली आपूर्ति पहले से ही बंद थी और तेज हवाओं के चलते पोल गिर गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

क्रेन की चपेट में आने से सेल्समैन की मौत, पत्नी और मासूम बच्ची गंभीर

जसपुर(उद संवाददाता)। दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार सेल्समैन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और चार माह की मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर अंतर्गत मोहल्ला बक्शीवाला फाटक निवासी मोहम्मद इकबाल (38) सेल्समैन का कार्य करता था। इकबाल अपनी पत्नी नाहिद जहां और चार महीने की दुधमुंही बच्ची को बाइक पर बैठाकर काशीपुर के लिए निकला था। अभी उनकी बाइक उत्तर प्रदेश के थाना रेहड़ सीमा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर के पास पहुँची ही थी कि अचानक सामने आई एक क्रेन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहम्मद इकबाल की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पीछे से आ रही एक निजी एंबुलेंस के चालक ने मानवता दिखाते हुए तत्काल घायलों को जसपुर के सरकारी अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल में तैनात ईएमओ डॉ. मेहताब जहां ने परीक्षण के बाद इकबाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल पत्नी नाहिद जहां और मासूम बच्ची की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर काशीपुर रेफर कर दिया गया।

गल्ला मंडी में फिर डंपिंग जोन बनने लगा बेशकीमती पार्क

महापौर की मंशा पर पलीता लगा रहे कुछ लोग, क्षेत्रवासियों ने की कार्रवाई की मांग

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। गल्ला मंडी स्थित श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर के सामने बेशकीमती सरकारी भूमि पर एक बार फिर संकट मंडराने लगा है। पिछले कई वर्षों से उपेक्षित और गंदगी से पटे इस पार्क की हालत सुधारने के लिए महापौर विकास शर्मा ने व्यक्तिगत प्रयास कर इसे साफ-सुथरा कराया था, लेकिन अब कुछ लोग महापौर की नेक मंशा पर एक बार फिर पलीता लगाने में जुट गए हैं। महापौर की पिछली सख्त हिदायत और स्वच्छता के प्रति उनके कड़े रुख को दरकिनार करते हुए कुछ लोगों ने पार्क को दोबारा कूड़ेदान और गोबर फेंकने का अड्डा बनाना शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर की स्थापना दिवस से पूर्व जब इस भूखंड की दयनीय हालत और इसे कब्जाने की गिद्ध दृष्टि का मामला सामने आया था, तब महापौर के निर्देश पर कई टन कचरा हटाकर इसकी सूरत बदली गई थी। महापौर ने तब इसे पार्क के रूप में विकसित करने और बाउंड्री वॉल बनाने का आश्वासन भी दिया था। हालांकिलेकिन पिछले कुछ दिनों से स्थिति पुन: बिगड़ने लगी है। कुछ लोग रात के अंधेरे में या गुपचुप तरीके से यहां कचरा डंप कर रहे हैं। महापौर की मंशा शहर को स्वच्छ बनाने और सार्वजनिक संपत्तियों को भू-माफियाओं से बचाने की है, लेकिन जिस तरह से इस पार्क में दोबारा गंदगी का अंबार लगाया जा रहा है, वह स्पष्ट रूप से महापौर की चेतावनी को चुनौती देने जैसा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन द्वारा की गई मेहनत को कुछ लोग अपनी हरकतों से बेकार कर रहे हैं और जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने महापौर से भूखण्ड को पार्क के रूप में विकसित करने और यहां पर कूड़ा कचरा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बंग भवन के निर्माण हेतु भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेज

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत रुद्रपुर में प्रस्तावित बंग भवन के निर्माण कार्य को गति देने के लिए विधायक शिव अरोरा ने जिलाधिकारी उधम सिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया को पत्र प्रेषित कर भूमि शीघ्र हस्तांतरण कराने का अनुरोध किया है। विधायक अरोरा ने अपने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि रुद्रपुर में बंगाली समाज के उत्थान और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के संवर्धन हेतु बंग भवन का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए किच्छा बाईपास रोड स्थित पुरानी ट्रेजरी की भूमि को चिन्हित किया गया है।विधायक शिव अरोरा ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि चयनित स्थल पर निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए आवश्यक वैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि क्षेत्र के बंगाली समाज को एक सुसज्जित और समर्पित सांस्कृतिक केंद्र की सुविधा जल्द मिल सके।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ निरंतर कार्य कर रही है और बंगभवन का निर्माण इसी दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।विधायक के अनुरोध पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने आश्वस्त किया कि बंग भवन हेतु भूमि हस्तांतरण का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा ताकि निर्माण प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। इस महत्वपूर्ण चर्चा और मुलाकात के दौरान दर्जा राज्यमंत्री उत्तम दत्ता उपजिला अधिकारी गौरव पाण्डेय मयंक कक्कड़ सहित बंगाली समाज के अनेक जन प्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मजदूरों ने बाइक रैली निकालकर किया प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्रमिक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले मई दिवस के उपलक्ष्य में विशाल बाइक जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया गया। इस दौरान श्रमिकों ने जुलूस के दौरान परशुराम चौक ट्रांजिट कैंप में एक सभा का आयोजन हुआ जिसे संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मई दिवस मजदूरों के संघर्ष का प्रतीक है और पूरी दुनिया के मजदूर इस दिन अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करते हैंसभा में वक्ताओं ने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश में पूंजीपति वर्ग श्रम बल को गुलाम बनाने और संसाधनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। सरकार भी उनके हितों को साधने के लिए मजदूर विरोधी चार नए लेबर कोड्स लेकर आई है। वर्तमान में कॉर्पोरेट और पूंजीपति मालिक मजदूरों से बिना दोगुनी मजदूरी दिए 12-12 घंटे काम करा रहे हैं जबकि उनका वेतन बेहद कम है। वक्ताओं ने इतिहास का स्मरण कराते हुए कहा कि वर्ष 1888 में अमेरिका के शिकागो शहर में 8 घंटे काम का नियम लागू करने की मांग को लेकर मजदूरों ने शहादत दी थी जिसके बाद पूरी दुनिया में यह नियम लागू हुआ और मजदूर दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई।नेताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि आज फिर से मजदूरों से उनके 8 घंटे काम करने का अधिकार छीना जा रहा है। इसलिए वर्तमान दौर में 1 मई को अपने हक और अधिकारों को बचाने के संघर्ष के रूप में मनाना अनिवार्य हो गया है। बाइक जुलूस और सभा में सीएसटीयू के महासचिव मुकुल संयुक्त श्रमिक मोर्चा के उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह इंकलाबी मजदूर केंद्र के शहर सचिव कैलाश भट्ट सुरेंद्र रावत दिनेश चंद्र और भाकपा माले जिला सचिव ललित मटियाली उपस्थित रहे। इनके अलावा थाई सुमित ऑटो नील कामगार यूनियन एडविक मजदूर यूनियन और सी आई ए इंडिया वर्कर्स यूनियन के कई साथी भी मौजूद थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

नफरती भाषण पर अंकुश

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश की राजनीति में लोगों के बीच नफरत फैलाने वाले बयानों या भड़काऊ भाषणों के जरिए सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिशें चिंता का कारण बनती रही हैं। ऐसे अनेक मौके सामने आए, जिनमें किसी नेता पर राजनीतिक स्वार्थ साधने या फायदा उठाने की मंशा से ऐसी बयानबाजियां करने या नारे लगाने के आरोप लगे, जिससे सामाजिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका पैदा हुई। मगर ऐसे नेताओं को जहां कानून के कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए था, वहां उनके प्रति पुलिस या शासन-तंत्र ने एक तरह से नरम रवैया अपनाया।शायद इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर बढ़ते नफरती भाषणों की समस्या से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। मगर इस मसले पर सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वर्तमान कानून का ढांचा लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या सार्वजनिक शांति को भंग करने वाली हरकतों से सक्षम तरीके से निपटता है। इसमें भारतीय दंड संहिता और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधान शामिल हैं।जाहिर है, मौजूदा कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है। मगर इससे इतर नफरती भाषणों के जरिए अगर लोगों के बीच विद्वेष फैलाने की कोशिश की जाती है, तो इसकी नए सिरे से व्याख्या करने और उसे कानूनी दायरे में लाने की जरूरत है। इस संदर्भ में अदालत ने स्पष्ट किया कि अपराध की व्याख्या या उसे परिभाषित करना और सजा तय करना पूरी तरह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में अदालत केवल सुधारों की जरूरत की ओर विधायिका और कार्यपालिका का ध्यान खींच सकती है।अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि नफरती भाषणों के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं की शिकायत कानून के अभाव में नहीं, बल्कि उसके लागू होने में कमी से पैदा होती है। ऐसी शिकायतें आम रही हैं कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई मामलों में पुलिस या तो आरोपों की अनदेखी करती है या फिर कमजोर धाराओं के तहत मामला दर्ज करती है। नतीजतन, जिन गतिविधियों की वजह से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, उसके विरुद्ध कानून लाचार नजर आता है। दरअसल, हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इस तरह की प्रवृत्ति की अनदेखी करने या सुविधाजनक तरीके से कुछ नेताओं के नफरती भाषणों के प्रति आंखें मूंद लेने का नुकसान आखिरकार आम जनता और देश को उठाना पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने भी इसी संदर्भ में कहा कि नफरती भाषण और अफवाह फैलाने से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षण से जुड़े हैं। कायदे से कुछ संवेदनशील स्थितियों के बावजूद अगर मौजूदा कानूनी प्रावधानों का दायरा सीमित है, तो यह केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे बदलते परिदृश्यों तथा चुनौतियों के मद्देनजर आगे किसी ठोस कानूनी उपाय की जरूरत पर विचार करें।

स्वरोजगार से पलायन को मात देकर सफलता की मिसाल बनीं ममता जोशी

ग्रामोत्थान परियोजना के सहयोग से ग्रामीण महिला ने पेश की आत्मनिर्भरता की नई तस्वीर

चंपावत (उद संवाददाता)। उत्तराखंड के ग्रामीण अंचलों में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक तस्वीर ग्राम पंचायत खोला सुनार में उभरकर सामने आई है। यहाँ की निवासी ममता जोशी, जो पूर्व में केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक ही सीमित थीं, आज एक सफल महिला उद्यमी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी हैं। ममता राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित भूमिया देवता स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं, जो लडीधुरा महिला संकुल संघ से जुड़ा है। एक समय था जब परिवार की सीमित आय के कारण उनके पास आजीविका का कोई ठोस साधन उपलब्ध नहीं था और वह आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए किसी स्थायी स्वरोजगार की तलाश में थीं।ममता जोशी के प्रयासों को तब नई दिशा मिली जब ग्रामोत्थान परियोजना ने उनके गाँव में अपनी गतिविधियां शुरू कीं। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आईफैड द्वारा समर्थित इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को उद्यम आधारित गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है।

परियोजना टीम द्वारा गाँव में आयोजित बैठकों ने ममता के भीतर नया आत्मविश्वास जगाया। परियोजना मानकों के आधार पर उनका चयन रिटेल शॉप एवं स्मॉल फूड रेस्टोरेंट योजना के लिए किया गया। इसके बाद विभाग द्वारा भौतिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया को पूर्ण किया गया। इस लघु उद्यम को धरातल पर उतारने के लिए वित्तीय संरचना अत्यंत व्यवस्थित ढंग से तैयार की गई। कुल निवेश के रूप में परियोजना द्वारा ममता को 2,50,000 रुपये की वित्तीय सहायता सुनिश्चित कराई गई। इसमें परियोजना की ओर से 75,000 रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई, जबकि 1,50,000 रुपये का बैंक ऋण भी परियोजना के सहयोग से सुलभ कराया गया। इस व्यवसाय में ममता ने भी अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए 50,000 रुपये का लाभार्थी अंशदान स्वयं वहन किया। इस ठोस आर्थिक आधार ने उनके व्यवसाय की नींव को मजबूती दी।वर्तमान में ममता जोशी अपने क्षेत्र में स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने वाले रेस्टोरेंट का सफल संचालन कर रही हैं। स्थानीय स्वाद और स्वच्छता के प्रति उनके समर्पण ने बहुत कम समय में क्षेत्र के ग्राहकों का भरोसा जीत लिया है। इस व्यवसाय से उन्हें प्रतिमाह 6,000 से 7,000 रुपये की नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार का जीवन स्तर सुधरा है। अब वह न केवल घरेलू खर्चों को आत्मनिर्भरता के साथ वहन कर रही हैं, बल्कि अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी निवेश कर पा रही हैं। ममता की यह सफलता साबित करती है कि सही मार्गदर्शन से ग्रामीण महिलाएं न केवल सशक्त बन सकती हैं, बल्कि स्वरोजगार के माध्यम से पलायन को रोककर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति भी दे सकती हैं। उनकी यह यात्रा आत्मनिर्भर भारत और सशक्त उत्तराखंड की संकल्पना को साकार कर रही है।

चम्पावत में नौ मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

चम्पावत (उद संवाददाता)। जनपद चम्पावत के नागरिकों के लिए अपने लंबित मामलों के शीघ्र एवं सरल निस्तारण हेतु आगामी 09 मई, 2026 को जनपद मुख्यालय चम्पावत तथा बाह्य न्यायालय टनकपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत अनुज कुमार संगल की अध्यक्षता में संपन्न होगा। इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आमजन को त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराना तथा न्यायालयों में लंबित वादों के बोझ को कम करना है।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज वरिष्ठ खंड भवदीप रावते के दिशा निर्देशन में आयोजित इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में मुख्य रूप से लघु आपराधिक प्रकरण, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, भरण पोषण से संबंधित मामले, बैंक वसूली प्रकरण, हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत पारिवारिक विवाद, एमएसीटी वाद और घरेलू हिंसा (डीवी एक्ट) के मामलों की सुनवाई होगी। इसके अतिरिक्त विद्युत एवं जल बिल से संबंधित विवाद तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के अंतर्गत चेक बाउंस मामलों को भी आपसी समझौते के माध्यम से सुलझाया जाएगा।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे से होगा। सचिव भवदीप रावते ने जनपद के समस्त वादकारियों एवं आमजन से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाकर अपने मामलों का निस्तारण कराएं। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में होने वाले समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें दोनों पक्षों की सहमति से समाधान होता है, जिससे समय और धन की बचत होने के साथ ही आपसी मनमुटाव भी समाप्त होता है। संबंधित वादकारी निर्धारित तिथि पर संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर इस जनहित कारी पहल का लाभ उठा सकते हैं।

प्रदेश में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और जागरूकता के लिए प्रदेश में बनेगा सख्त ढांचा

देहरादून (उद संवाददाता)। सचिवालय में गत दिवस राज्य स्तरीय नेशनल कोआर्डिनेशन सेंटर फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट की 11वीं बैठक मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विचार विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों से जनपदों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि जनपद स्तरीय बैठकों का आयोजन निर्धारित समय सीमा के भीतर नियमित रूप से किया जाए। मुख्य सचिव ने आगामी 15 दिनों के भीतर मादक पदार्थों के विरुद्ध अगले एक वर्ष का राज्य और जनपद स्तरीय रोडमैप तैयार कर प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित विभाग और जनपद प्रवर्तन तथा पुनर्वास जैसे विषयों पर अपना विस्तृत रोडमैप सचिव गृह को उपलब्ध कराएं। मादक पदार्थों से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारी मात्रा में पकड़े गए नशीले पदार्थों के प्रकरणों में प्रभावी पैरवी की जाए ताकि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। पुलिस विभाग को विशेष रूप से मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला तोड़ने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए। जन जागरूकता के विषय पर मुख्य सचिव ने शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग क्लब बनाने और स्कूली बच्चों के बीच विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में गुटखा और तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर लगे प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिए। प्रदेश में नशे के जाल को पूरी तरह समाप्त करने के उद्देश्य से उन्होंने मादक पदार्थों के उपयोग पर एक व्यापक सर्वे कराने की आवश्यकता जताई। इसके साथ ही निजी नशा मुक्ति केंद्रों की निरंतर जांच करने और मानकों का उल्लंघन करने वाले केंद्रों को तत्काल बंद करने के निर्देश भी जारी किए गए। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के क्रम में गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में समर्पित ड्रग इंस्पेक्टरों की नियुक्ति के आदेश दिए गए। साथ ही राजकीय स्वास्थ्य केंद्रों में नशा मुक्ति के लिए विशेष बेड आरक्षित करने की योजना पर काम करने को कहा गया, जिसके तहत शुरुआती चरण में प्रत्येक जनपद के कम से कम एक अस्पताल में यह सुविधा शुरू की जाएगी। मुख्य सचिव ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की राष्ट्रीय हेल्पलाइन मानस 1933 के व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश दिए ताकि आम जनता नशीले पदार्थों की बिक्री या आपूर्ति की सूचना आसानी से दे सके। उन्होंने सभी विभागों को अपने कार्यालयों के प्रवेश द्वार और सूचना पट पर हेल्पलाइन की जानकारी चस्पा करने को कहा। बैठक में डीजी इंटेलिजेंस अभिनव कुमार, सचिव शैलेष बगौली, आईजी डॉ. नीलेश आनन्द भारणे, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह सहित विभिन्न जनपदों के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

भाजपाइयों ने लगाई छबील

गदरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और नैनीताल उधम सिंह नगर के लोकप्रिय सांसद माननीय अजय भट्ट के जन्मदिन पर भाजपाईयों ने नगर पालिका गेट के सामने मुख्य बाजार में ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने कहा कि माननीय अजय भट्ट के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ छबील लगाई गई । पालिकाध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि माननीय लोकप्रिय सांसद अजय भट्ट के जन्मदिन पर हर वर्ष विभिन्न कार्यक्रम किए जाते हैं इस वर्ष उनके जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने छबील लगाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करने के साथ राहगीरों की प्यास बुझाई। इस अवसर पर राजेश गुंबर ,रमन छाबड़ा सुरेश कुमार ,अश्विनी कुमार, परमजीत सिंह, आकाश कोचर सहित अन्य लोग सेवा कार्य में जुटे रहे।

जंगल में आग लगाना अपराध के साथ घोर पाप

हर साल लाखों पेड़ और पशु पक्षी जंगल की आग में भस्म हो जाते हैं। इसमें करोड़ों की वन संपदा का तो नुकसान होता ही है पारिस्थितिक तंत्र बुरी तरह लड़खड़ा जाता है। वनाग्नि के

बहुत से कारण हैं जिनमें एक मुख्य कारण है वन माफियाओं द्वारा अपनी चोरी को छिपाने का प्रयास। ये पेड़ों की चोरी करते हैं बाद में सबूत मिटाने के लिए आग लगा देते हैं। पिछले कुछ वर्षों में अराजक तत्वों द्वारा जंगलों में आग लगाने की घटनाएं भी देखी गई हैं। ये वही देश विरोधी लोग हैं जो कहीं रेल की पटरियों को क्षतिग्रस्त करते हैं, कहीं बिजली के ट्रांसफार्मरों को जलाते हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं। दुर्भाग्य से अब जंगल भी इनके निशाने पर आ गए हैं हालांकि अभी ऐसी बहुत ज्यादा घटनाएं प्रकाश में नहीं आई हैं पर यह चिंताजनक तो है ही। जान बूझकर जंगलों में आग लगाने वालों के लिए कड़ी सजा के प्रावधान हैं पर समाज को भी प्रशासन का साथ देना चाहिए।ध हर नागरिक का फर्ज है कि यदि उन्हें वन माफियाओं और आग लगाने वालों के बारे में कुछ पता चले तो सूचना वन विभाग या पुलिस को दें ताकि इन्हें कड़ा दंड मिल सके जो औरों के लिए भी सबक हो।जंगल की आग का एक बहुत बड़ा कारण उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्र के कुछ लोगों की यह सोच भी है कि घास में आग लगाने से बरसात में अच्छी घास आएगी। घास के लालच में आग लगाई जाती है इसका प्रमाण यह है कि पूर्वोत्तर के पहाड़ी क्षेत्रों में जहां लोगों में इस तरह की भ्रांति नहीं है वहां जंगल में आग की इतनी अधिक घटनाएं नहीं होती हैं। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और दूसरे राज्यों के मैदानी क्षेत्र के जंगलों में आग की घटनाएं होती हैं पर इतनी अधिक नहीं। यहां तक कि उत्तराखंड के ही मैदानी इलाके के जंगलों में पर्वतीय क्षेत्र की तुलना में बहुत कम घटनाएं होती हैं। जो लोग घास के लिए जंगल में आग लगाते हैं उनसे मेरा कहना है कि यह बिल्कुल बेबुनियाद और तर्कहीन धारणा है कि आग लगाने के बाद बरसात में अच्छी घास होगी। यदि किसी खेत में बीज बोने के बाद दुर्घटनावश आग लग जाय तो क्या वह बीज उग पाएंगे। जब बीज ही जल जाएंगे तो भला अंकुरण कैसे होगा। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में हरेला त्यौहार मनाया जाता है जिसमें घर के मंदिर में एक पात्र में मिट्टी में अनाज के बीज बोए जाते हैं वह पांच सात दिन में अंकुरित हो जाते हैं जिसे शुभ माना जाता है। क्या वह अनाज के दाने भून कर लगाने पर उग सकते हैं। जंगलों में घास के बीज पड़े रहते हैं , पिछले साल की घास की जड़ें जमीन में दबी रहती हैं। पुरानी जड़ें और बीज बरसात में नमी पाकर अंकुरित होते हैं और घास पनपती है। सबको पता है कि अधिक गर्मी से जड़ें और बीज मर जाते हैं तो फिर जंगल की आग में जलने के बाद घास कैसे उगेगी। आग लगाने के बावजूद जो घास उगती है वह उन बीजों के कारण उगती है जो जंगल के उस हिस्से से उड़कर आते हैं जहां आग का प्रभाव नहीं पड़ पाता है या आग के प्रभाव से बची हुई जड़ों से। सोचिए यदि प्राकृतिक रूप से बिना छेड़छाड़ के सारे बीज उगेंगे तो कितनी अच्छी और अधिक मात्रा में घास होगी। जो लोग घास के लालच में जंगल में आग लगाते हैं उनसे मेरा यही निवेदन है कि एक तो यह दंडनीय अपराध है साथ ही यह बहुत बड़ा पाप भी है। वनाग्नि की घटना के बाद आप जंगल में जाकर देखिए आपको लाखों जले हुए पेड़ मिलेंगे, लाखों पशु पक्षियों के कंकाल और जले हुए अवशेष मिलेंगे। इसके अलावा कीड़े मकोड़े, सांप, चूहे, केंचुए ना जाने कितने छोटे जीव तो राख हो जाते हैं जिनका नामो निशान ही मिट जाता है। ये छोटे छोटे जीव यहां तक कि जीवाणु भी पारिस्थितिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हिरण, खरगोश जैसे जीव जो भाग सकते हैं वह भी अपने बच्चों के मोह में उनके साथ जल जाते हैं। आग की लपटों के बीच उनकी चीत्कार भी किसी को सुनाई नहीं देती। जानवर तो चीख चिल्ला सकते हैं मौका मिला तो भाग सकते हैं पर पेड़ पौधे तो चीख भी नहीं सकते। पेड़ पौधों में भी जीवन होता है बस वह अपना दर्द बयां नहीं कर सकते हैं। मेरा अनुरोध है यह पाप ना करें प्राकृतिक रूप से घास को उगने दें, वह ज्यादा और अच्छी मात्रा में उगेगी। हर नागरिक के अंदर कर्तव्यबोध जगाने की जरूरत है। देश हमारा है, जंगल हमारे हैं। जंगल ही क्या आग तो कहीं भी देखें चाहे जंगल में या रिहायशी इलाके में बुझाने की कोशिश करनी चाहिए और प्रशासन को सूचित भी करना चाहिएध ताकि त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जा सके। यदि वन क्षेत्र में कोई कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे या कोई आग लगाता हुआ दिखे तो उसे रोकें और वन विभाग या पुलिस को सूचित करें। आपकी पहल से पर्यावरण संरक्षण में बड़ी मदद मिलेगी।

डा. आशुतोष पन्त,पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी/पर्यावरणविद

कांग्रेस ने किया केन्द्र सरकार का पुतला दहन

अल्मोड़ा ।कमर्शियल सिलिंडर के दामों मे 993 रूपये की केंद्र सरकार द्वारा की गई बढ़ोतरी के विरोध मे कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन कर रोष व्यक्त किया गया। बड़े दाम वापस लेने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर कड़ी नाराजगी जताई उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार महंगाई बढ़ रही है, जिसका सीध ा असर छोटे व्यापारियों, होटल संचालकों और आम जनता पर पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष भोज ने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता की परेशानियों को नजरअंदाज कर केवल राजस्व बढ़ाने में लगी हुई है। कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट, ढाबा और अन्य छोटे व्यवसायों की लागत बढ़ेगी, जिसका बोझ अंतत: उपभोक्ताओं पर डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले ही बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रही जनता के लिए यह

फैसला "आग में घी डालने" जैसा है। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी निर्णय का पुरजोर विरोध करती है और सरकार से तुरंत दाम वापस लेने की मांग करती है। पुतला दहन कार्यक्रम में महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट,सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अरविंद रौतेला, जिला उपाध्यक्ष विनोद वैष्णव, यूथ जिलाध्यक्ष विक्रम फर्त्याल, दीप डांगी, गोविंद बाल्टयाल, नारायण दत्त पांडे, वी के पांडे, शरद शाह, दीपा शाह, जिला महामंत्री निर्मल रावत ,दिनेश पिलखवाल,पार्षद मुकेश कुमार, विकास कुमार, वैभव पांडे, देवेन्द्र धोनी, किरण आर्य, प्रवीण भोज, जगदीश पांडे, गोपाल भट्ट, इसरार अहमद, रवींद्र कुमार टम्टा, व्यापार मंडल मंडल भैरव गोस्वामी, अल्मोड़ा व्यापार मंडल महासचिव वकुल साह,अजय नेगी, गोपाल भट्ट ,इसरार अहमद,पंकज भैसोड़ा, कार्तिक साह, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह,पारस डसीला, एडवोकेट महेश चंद्र आर्य , जिला उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह भाकुनी ,अनूप सिंह ,राज चौहान, अजय नेगी दीपेश कांडपाल उपस्थित रहे।

बागवाला में प्राथमिक विद्यालय खोलने की मांग

विधायक शिव अरोरा ने डीएम को सौंपा पत्र

रूद्रपुर । विधायक शिव अरोरा ने ग्राम बागवाला झील क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी नितिन भदोरिया से मुलाकात कर क्षेत्र में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के निर्माण की पुरजोर मांग उठाई है। विधायक ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि बागवाला झील क्षेत्र में वर्तमान में लगभग 300 निर्धन परिवार निवास करते हैं, जिनके बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए डेढ़ किलोमीटर दूर जाना पड़ता है।विधायक शिव अरोरा ने भविष्य की जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बागवाला में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1872 मकानों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। आने वाले कुछ समय में इन आवासों का आवंटन प्रारंभ कर दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र की आबादी में बड़ी बढ़ोत्तरी होने जा रही है। इतनी बड़ी जनसंख्या के बावजूद वर्तमान में वहां कोई राजकीय प्राथमिक विद्यालय उपलब्ध नहीं है। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि खंड

शिक्षा अधिकारी द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से विद्यालय निर्माण का प्रस्ताव निदेशालय को पहले ही भेजा जा चुका है।विधायक ने जोर देते हुए कहा कि बागवाला क्षेत्र में विद्यालय बनने से स्थानीय बच्चों को घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी और उन्हें दूर-दराज के इलाकों में भटकना नहीं पड़ेगा। जिलाधिकारी नितिन भदोरिया ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसका विधिवत प्रस्ताव बनाकर शीघ्र शासन को भेजा जाए। इस अवसर पर बागवाला झील के ग्राम प्रधान प्रमोद कुमार, राजेश, विपिन सिंह, राजकुमार साह, मयंक कक्कड़, मुकेश कुमार और अरविंद सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

रोहिणी में 21 दिवसीय 'देवभूमि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं उत्तराखंड लोक महोत्सव' का भव्य आयोजन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में इस वर्ष उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। हम सब का उत्तराखंड फाउंडेशन (रजि.) द्वारा "देवभूमि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं उत्तराखंड लोक महोत्सव-2026" का भव्य आयोजन 25 अगस्त से 14 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। 21 दिनों तक चलने वाला यह महोत्सव अब तक का सबसे बड़ा उत्तराखंडी विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और प्रोत्साहित किया जाएगा, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा।महोत्सव के दौरान दर्शकों को उत्तराखंड की विविध लोक कलाओं और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिलेगा। इसमें पारंपरिक छोलिया नृत्य, लोक वाद्य यंत्रों की प्रस्तुतियां, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला और उत्तराखंडी व्यंजनों का विशेष आकर्षण रहेगा। इसके साथ ही झूले, मनोरंजन गतिविधियां, 200 से अधिक स्टॉल और 3डी तकनीक से तैयार भव्य मंदिर मॉडल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र होंगे।आयोजन स्थल रोहिणी में प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। यह महोत्सव कलाकारों, शिल्पकारों और व्यापारियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगा, जहां उन्हें अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से इस सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल होकर देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध विरासत का अनुभव करने की अपील की है।अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति 9560543533 एवं 9773668985 पर संपर्क कर सकते हैं।

विधायक तिवारी ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की मूल्य वृद्धि को बताया जनविरोधी

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई बेतहाशा बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अल्मोड़ा से कांग्रेस विधायक मनोज तिवारी ने सरकार की आर्थिक नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि होटल, रेस्टोरेंट संचालकों और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए वे मजबूती से आवाज उठाएंगे। उन्होंने एक ही झटके में 993 रुपये की भारी वृद्धि कर सिलेंडर की कीमत 3,000 रुपये के पार पहुँचाने के निर्णय को पूरी तरह जनविरोध ी करार दिया।विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3,071.50 रुपये होने के साथ ही देश के अन्य महानगरों में भी इसके दाम आसमान छू रहे हैं। इसका सीधा नुकसान उन छोटे व्यापारियों और ढाबा संचालकों को होगा जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि पहाड़ में परिवहन लागत अधिक होने के कारण व्यवसाय चलाना पहले से ही मुश्किल है, ऐसे में गैस कीमतों में यह उछाल स्थानीय व्यापारियों की कमर तोड़कर रख देगा।मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह निर्णय केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों को लाभ पहुँचाने के लिए लिया गया प्रतीत होता है, जबकि आम व्यवसायी और मध्यम वर्ग की निरंतर उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लागत बढ़ेगी तो व्यापारियों को मजबूरन खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिसका अंतिम बोझ आम जनता की जेब पर ही पड़ेगा। कांग्रेस विधायक ने सरकार से मांग की है कि इस मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए और कमर्शियल सिलेंडरों पर सब्सिडी प्रदान की जाए ।

पेज एक का शेष...

बाबा केदार के दर पर पहुंचे....यात्रा मात्र 36 मिनट में पूरी की जा सकेगी, जिससे बुजुर्गों और दिव्यांग श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती ने बताया कि अदाणी समूह इस प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर है और आज का हवाई सर्वे इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केदारनाथ यात्रा इन दिनों अपने चरम पर है और 30 अप्रैल तक लगभग ढाई लाख श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं। गौतम अदाणी के आगमन के दौरान मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन ने उनका पारंपरिक स्वागत किया। वीआईपी मूवमेंट के बावजूद प्रशासन ने आम श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच उद्योगपति दंपति ने भगवान के दर्शन किए। यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की टीमें भी मुस्तैद दिखीं। अदाणी के इस दौरे और रोपवे के हवाई सर्वे के बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना के कार्य में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

भक्तों ने पीएम मोदी की ....के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती के अनुसार केदार धाम में पहले एक हफ्ते ही करीब एक हजार किलो प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित किया जा चुका है, जिसे अब बेचा जाएगा। इससे नगर पंचायत को राजस्व प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि कांच, टिन सहित दूसरे कचरे को भी मौके पर ही जमा किया जा रहा है, बाद में इसे भी सोनप्रयाग लाकर कबाड़ के तौर पर बेचा जाएगा। धाम में दो शिफ्ट में सुबह-शाम सफाई कराई जा रही है। इसके लिए 55 सफाईकर्मी नियुक्त किए गए हैं, जबकि यात्रा मार्ग पर दूसरी संस्था द्वारा सफाई कराई जा रही है। इस कारण धाम में स्वच्छता बनी हुई है। उधर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सूबे के पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते खतरे को बेहद संजीदगी से लिया है और उन्होंने भी उत्तराखंड पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से अपील करते हुए कहा है कि देवभूमि को अपने नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री से हमारी विनम्र अपील है कि वो प्लास्टिक वेस्ट या अन्य तरह का कचरा इधर-उधर न डाले तथा सरकार एवं प्रबंधन का सहयोग करें ।

बुद्ध पूर्णिमा पर ... की गई है और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। प्रशासन की सक्रियता के चलते स्नान पर्व शांतिपूर्वक संपन्न हो रहा है और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

ग्राम प्रधान के घर में...परिजनों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। देखते ही देखते आग घर से सटी गौशाला तक फैल गई, जिसकी चपेट में आने से तीन दुधारू पशुओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान मौके पर चीख-पुकार मच गई और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। अग्निशमन अधिकारी दुर्गा भंडारी ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और आग को अन्य घरों तक फैलने से रोका। ग्राम प्रधान पति मोहम्मद अली ने बताया कि आगजनी की इस घटना में घर में रखा सारा कीमती सामान, राशन और कपड़े जलकर नष्ट हो गए हैं। उनके अनुसार इस हादसे में लगभग 5 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। राजस्व विभाग की टीम को घटना की सूचना दे दी गई है ताकि क्षति का आकलन कर उचित मुआवजे की कार्रवाई की जा सके। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए शासन-प्रशासन से मदद की मांग की है।

नाबालिग के साथ...ने उसके बेटे को लोहे की रॉड से और बेल्ट से बुरी तरह मारना पीटना शुरू कर दिया और उसके साथ कुकर्म का भी प्रयास किया। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल पुत्र को काशीपुर के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां हालत गंभीर होने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 191(2), 351(3), 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला दुकानदार से ...गलौज शुरू कर दी। जिसका विरोध करने पर आरोपियों ने महिला और उसका बचाव करने आए व्यक्ति के साथ मारपीट की। आरोप है एक हमलावार ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने गल्ले से करीब आठ हजार रुपये भी निकाल लिए और दोबारा आने की धमकी देकर फरार हो गए। महिला ने 112 पर सूचना देने के साथ पुलिस से सुरक्षा और सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोहन पांडे ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मोबाईल मांगा फिर..पहुंचे और उन्होंने सुमित को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। सुमित ने बताया कि यदि वह हाथ आगे नहीं करता तो चाकू उसके पेट में जा लगता जिससे उसका जीवन खतरे में पड़ जाता। मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

किसानों ने खाद वितरण व्यवस्था पर जताई नाराजगी

शक्तिफार्म। भारतीय जनता पार्टी शक्तिफार्म मंडल की ओर से कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को पत्र भेजकर क्षेत्र में खाद वितरण व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। मंडल अध्यक्ष गोविंद तालुकदार द्वारा भेजे गए इस पत्र में किसानों को वर्तमान में मिल रही खाद की मात्रा को अपर्याप्त बताते हुए इसमें तत्काल सुधार की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है कि विभागीय आदेशों के तहत सहकारी समिति शक्तिफार्म द्वारा किसानों को प्रति हेक्टेयर भूमि पर मात्र 1 कट्टा डीएपी खाद और प्रति एकड़ 1 कट्टा यूरिया दिया जा रहा है, जो किसानों की वास्तविक जरूरतों के मुकाबले काफी कम है। इससे क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है और कृषि कार्य

प्रभावित हो रहा है। मंडल अध्यक्ष ने अपने पत्र में मांग की है कि किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए खाद की आपूर्ति बढ़ाई जाए। उन्होंने प्रति एकड़ 3 कट्टा यूरिया तथा प्रति हेक्टेयर 4 कट्टा डीएपी उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि किसानों को खेती में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पत्र के माध्यम से प्रशासन से शीघ्र उचित कार्रवाई कर किसानों को राहत देने की अपील की गई है। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष गोविन्द तालुकदार,के पी मण्डल,कार्तिक राय,संजय बाछाड़, रविन्द्र विश्वास,पंकज बासु, मयंक अग्रवाल, शंकर गोलदार, प्रभाकर राय, राजा हालदार, बिपुल, रिपुसूदन मण्डल, उमेश तिवारी, अशोक मण्डल,सुकुमार वैध, विरंची पद वाइन ,अमल आदि लोग शामिल थे।

कच्ची शराब समेत एक गिरफ्तार

काशीपुर। पुलिस ने कच्ची शराब की तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 40 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। टांडा उज्जैन चौकी पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान टांडा उज्जैन स्थित रेलवे प्लेट फार्म के पास से हरगनिया कालोनी निवासी राजू पुत्र भन्नीराम को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 40 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी का आबकारी अधिनियम में चालान किया है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि ग्राम फुलसुंगी तहसील रूद्रपुर जिला ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड में स्थित प्रा. प्लॉट सं. -45 पैमाईश 16 X 35 फिट अर्थात 52.04 वर्ग मी., खाता सं.-00977, खेत सं.- 242 मि. मेरे स्वामित्व में है। जिसका कब्जा मेरे अधिकार में है। उक्त प्लाट के पूर्व मालिक श्री देवकी नन्दन मथेला पुत्र श्री घनश्याम मथेला के नाम पंजीकृत रजिस्ट्री दिनांक 17.12.2011, बही सं. -1, इलैक्ट्रोस्टेट जिल्द नं.- 800 के पृष्ठ 53 से 74 में नम्बर 10,098 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया था।जिसकी मूल प्रति मेरे पास सुरक्षित थी। परंतु मेरे द्वारा उसकी मूल प्रति कहीं खो गई है तथा किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा इसका प्रयोग अवैध एवं गैरकानूनी माना जायेगा। क्योंकि वर्तमान में सरकारी अभिलेखों में उक्त प्लाट की रजिस्ट्री व दाखिल खारिज मेरे नाम दर्ज है।

श्रीमती ममता देवी पत्नी श्री राजकिशोर सिंह,वर्तमान निवासी - अंजनी विहार, फुलसुंगा वार्ड नं. -01, रूद्रपुर जिला ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

बड़ी परियोजनाओं की स्वीकृति पर महापौर ने सीएम का जताया आभार

रुद्रपुर/खटीमा। शहर अब एक भव्य और आधुनिक कलेवर में नजर आने को तैयार है। शहर की कायाकल्प से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में महापौर विकास शर्मा ने खटीमा पहुंचकर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया और एक विशाल पुष्प माला अर्पित कर समस्त रुद्रपुर वासियों की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की।शिष्टाचार भेंट के दौरान महापौर ने सीएम के साथ शहर के वर्तमान विकास कार्यों की समीक्षा और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी गहन विमर्श किया गया।महापौर विकास शर्मा ने लगातार जनहित के मुद्दों और शहर की बुनियादी समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा था। मुख्यमंत्री ने भी जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इन मांगों को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया, जिसके परिणामस्वरुप अब ध

रातल पर निर्माण की कवायद तेज हो गई है। इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन न केवल रुद्रपुर के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि शहर की आध्यात्मिक और सामाजिक पहचान को भी एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। विशेष रूप से गंगापुर रोड पर बनने वाला भव्य शिव कॉरिडोर शहर के सांस्कृतिक गौरव को बढ़ाएगा, तो वहीं अटरिया चौक से इंदिरा कॉलोनी तक मिनी बाईपास का निर्माण यातायात की जटिल समस्याओं का स्थाई समाधान बनेगा।सड़कों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में भूरारानी रोड और गंगापुर रोड का चौड़ीकरण मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही, सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण मित्रों के लिए आवास योजना, नगर निगम का अत्याधुनिक हाईटैक भवन और भंग भवन जैसी परियोजनाओं पर भी मुख्यमंत्री की स्वीकृति के बाद प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महापौर को पूर्ण आश्वस्त किया है कि रुद्रपुर के सर्वांगीण विकास के लिए बजट और संसाधनों की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम की ओर से आने वाले आगामी प्रस्तावों पर भी सरकार सहानुभूति पूर्वक और त्वरित निर्णय लेगी।सीएम का आभार व्यक्त करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच से रुद्रपुर एक नए स्वरूप में उभर रहा है। इन ऐतिहासिक निर्णयों से स्थानीय नागरिकों के बीच भारी उत्साह है। उन्होंने विश्वास जताया कि विकास की यह लहर न केवल शहर की तस्वीर बदलेगी, बल्कि आने वाले समय में पार्टी की जड़ों को भी और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। शहर की जनता अब उन परियोजनाओं के साकार होने की प्रतीक्षा कर रही है जो कल तक केवल एक मांग थी, लेकिन आज मुख्यमंत्री की इच्छाशक्ति से हकीकत बनने जा रही हैं।

अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत बच्चों को दी गई वन संरक्षण और आग से बचाव की जानकारी

नानकमत्ता। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंगाली कॉलोनी में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को आग से बचाव, वन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जोरासाल रेंज के रेंजर महेश चंद्र जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि गर्मियों के मौसम में वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ जाती हैं, जिनका मुख्य कारण मानवीय लापरवाही होती है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि जंगलों में जलती हुई माचिस, बीड़ी-सिगरेट या कूड़ा-कचरा जलाना बेहद खतरनाक हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि वनाग्नि से न केवल पेड़-पौधों का नुकसान होता है, बल्कि वन्यजीवों का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है और पर्यावरण संतुलन बिगड़ता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य के. एन. अटवाल ने अपने संबोधन में बच्चों को आग से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी आग लगने की घटना की सूचना तुरंत बड़ों या संबंधित विभाग को देनी चाहिए। साथ ही

उन्होंने छात्रों को जंगलों में अनावश्यक रूप से न जाने, सूखी घास या कचरे में आग न लगाने और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को अग्नि सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी सरल और रोचक तरीके से दी गई, जिससे वे आसानी से समझ सकें। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि आपात स्थिति में किस प्रकार शांत रहकर सही निर्णय लेना चाहिए। इस अवसर पर कॉलोनी के सभासद सुरंजन राय, वन दरोगा त्रिलोक सिंह बोरा, शेर सिंह बोरा, गिरीश वर्मा, बलविंदर सिंह, मंत्री सिंह राणा उपस्थित रहे।

सूखी नदी में सिल्ट की जगह उगलवा दिया आरबीएम

सितारगंज में सिल्ट के टेंडर पर आरबीएम की रॉयल्टी का खेल

सितारगंज। रिवर ट्रेनिंग के नाम पर पूर्व में सिल्ट का पट्टा जारी करने वाले जिम्मेदारों ने सूखी नदी में आरबीएम यानी उप खनिज उगलवा कर सबको हैरान कर दिया। जिस वजह से नदी से निकलने वाली सिल्ट की रॉयल्टी खनन विभाग के पोर्टल में आरबीएम में परिवर्तित हो गई है। इससे अरबों रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है। संयुक्त प्रशासन हर बार सुखी नदी में सिल्ट उठाने के लिए पट्टे जारी करता है। लेकिन इस बार अधिकारियों की मिलीभगत से सुखी नदी में सिल्ट के स्थान पर हजारों कुंतल आरबीएम दिखाकर पट्टे जारी कर दिए। बताया जाता है कि रीवा ट्रेनिंग के नाम पर 7 रुपए प्रति कुंतल के हिसाब से सूखी नदी में रॉयल्टी जमा की गई है। इस रॉयल्टी पर नदी से निकलने वाली सिल्ट सप्लाई होनी हैं। सिल्ट को आरबीएम की रॉयल्टी पर खपा दिया जाएगा। इसके बाद आरबीएम रॉयल्टी को अवैध खनन के मामले में दुरुपयोग कर बेचा जा सकता हैं। बताया जाता है सुखी नदी में सिल्ट के अलावा रत्तीभर आरबीएम नहीं हैं, लेकिन लाखों क्विंटल आरबीएम कागजों में दिखाकर अरबो रुपए का खेल किया जा सकता है। जिनमें खनन स्टॉक, आरबीएम सप्लाई चेन 7 के हिसाब से खरीदी गई रॉयल्टी को 20 रु प्रति कुंतल की दर से लाखों कुंतल की से सितारगंज की सूखी नदी से अरबों रुपए के खेल को अंजाम दे सकते हैं।

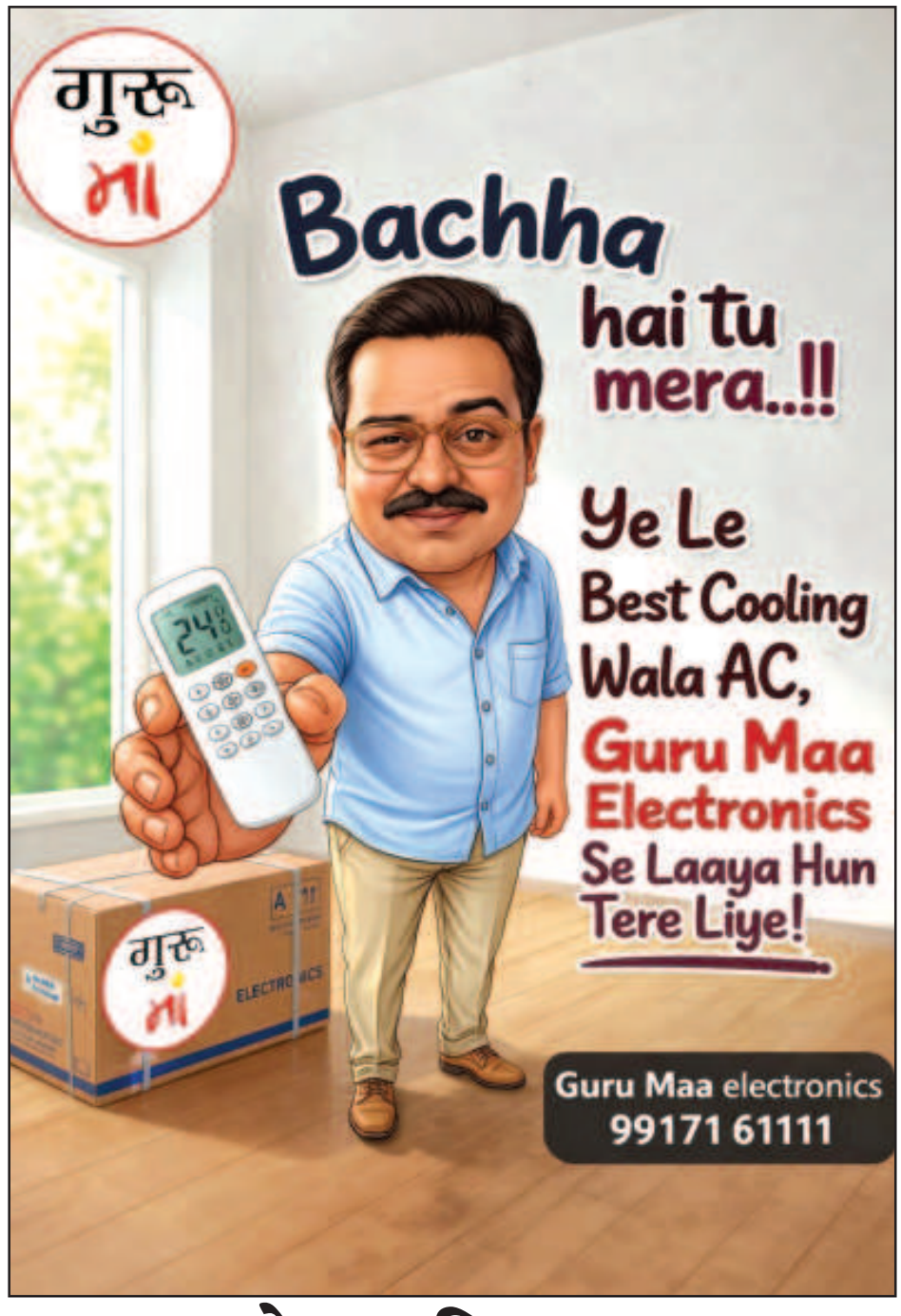

एसएसपी ने चोरी का खुलासा जल्द करने का दिया आश्वासन

उद्योगपति राजेंद्र गोयल एवं उनके परिवार से की मुलाकात

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर के प्रमुख उद्योगपति एवं तेल मिल स्वामी राजेंद्र गोयल के निवास पर हुई चोरी की घटना को 12 दिन बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। घटना का खुलासा करने को लेकर के जिले के पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने अब घटना के खुलासे की मॉनिटरिंग अपने हाथ में सीधे ले ली है तथा अपने अधीनस्थ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना का जल्द खुलासा करने का भरोसा दिलाया। पुलिस कप्तान द्वारा घटनास्थल पर घटना का बारीकी से स्वयं निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया है। एसएसपी अजय गणपति ने बताया कि आरोपियों को चिन्हित करने तथा पकड़ने के लिए 6 टीमों को लगाया गया है, जिसमें दो टीम सीसीटीवी फुटेज और सर्विलेंस तथा चार टीमें आरोपियों को दबोचने के लिए अलग-अलग राज्य और शहरों में दबिश दे रही हैं। ज्ञात हो कि नगर के आवास विकास निवासी तेल मिल स्वामी

उद्योगपति राजेंद्र गोयल का पूरा परिवार 18 अप्रैल को रामनगर में आयोजित विवाह समारोह में शिरकत करने गया था। इसी दौरान परिजनों की गैर मौजूदगी में अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर करीब 40 लाख की नगदी तथा 50 लाख रुपए कीमत से अधिक के गहने चुरा लिए थे। घटना को अंजाम देने के दौरान आरोपीगण घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीबीआर बॉक्स भी अपने साथ ले गए थे। निकट लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना को अंजाम देने के बाद दो आरोपी फरार होते कैद हो गए थे। संभावना जताई जा रही है कि चार आरोपियों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना के बाद से परिजनों एवं व्यापार मंडल द्वारा पुलिस पर लगातार घटना के खुलासे को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। विगत दिनों व्यापार मंडल के आह्वान पर कोतवाली घेराव के प्रस्तावित कार्यक्रम को किच्छा पुलिस ने जल्द खुलासे का आश्वासन देकर स्थगित करा दिया था, लेकिन 10 दिन बाद भी घटना का खुलासा नहीं हुआ है। गुरुवार की शाम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति अचानक उद्योगपति राजेंद्र गोयल के आवास पर पहुंच गए और परिवार जनों से वार्ता की। उद्योगपति राजेंद्र गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश गोयल सहित मौके पर मौजूद अन्य गणमान्य लोगों ने घटना का खुलासा जल्द करने तथा आरोपियों को जल्द पकड़कर चोरी का माल बरामद करने का आग्रह किया। एसएसपी गणपति ने बताया कि आरोपियों को दबोचने तथा चोरी का माल बरामद करने के लिए पुलिस टीमें निरंतर प्रयास कर रही हैं और जल्द ही सफलता हाथ लगेगी तथा घटना का खुलासा किया जाएगा। मौके पर गिरधारी लाल गोयल, किशन गोयल, राजेश शुक्ला, घनश्याम श्यामपुरिया, महेंद्र गोयल, सन्नी गोयल, संदीप अरोरा, ग्यारसी बंसल, गोविंद गोयल, विवेक दीप सिंह सहित कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू आदि मौजूद रहे।

झूठी शिकायत खारिज होने के बाद भी सोशल मीडिया पर मानहानि का आरोप

नानकमत्ता। कोतवाली क्षेत्र के ग्रामीण ने कुछ लोगों पर झूठी शिकायत करने और बाद सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर देकर प्राथमिक की दर्ज कराई है। ग्रामीण मान सिंह के अनुसार, ग्राम चौतुआखेड़ा निवासी वीरेन्द्र प्रसाद ने उनके व परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ थाना नानकमत्ता समेत विभिन्न स्थानों पर झूठी शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में उक्त शिकायत को निराधार पाते हुए खारिज कर दिया गया था। इसके बावजूद वीरेन्द्र प्रसाद द्वारा सत्र न्यायाधीश, रुद्रपुर न्यायालय में दर्ज कराया गया, जिसमें मान सिंह के साथ उनके भाई सुखलाल सिंह, शिवनारायण सिंह और भतीजे सोबरन सिंह को भी नामजद किया गया। मान सिंह ने बताया कि मामले की पुनः जांच थाना नानकमत्ता द्वारा की गई, जिसकी रिपोर्ट 15 सितंबर 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत की गई। इसके बाद न्यायालय ने 6 नवंबर 2025 को उक्त वाद को निरस्त कर दिया। आरोप है कि इसके बाद भी वीरेन्द्र प्रसाद और उसके भाई रविन्द्र प्रसाद द्वारा रंजिशन सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली जा रही हैं। मान सिंह का कहना है कि रविन्द्र प्रसाद ने अपने फेसबुक अकाउंट से उनकी और उनके भाई की फोटो का दुरुपयोग कर अपमानजनक टिप्पणियां कीं, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। इसके अलावा व्हाट्सएप ग्रुप में भी उनके व उनके परिजनों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट की गईं।